दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक – जगजीत सिंह दर्दी   सम्पादक: अमृतपाल सिंह   DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

आरएनआई नं. 57282/1994   वर्ष 31   अंक 149   नई दिल्ली   रविवार 31 मई, 2026   मूल्य एक रुपया   कुल पृष्ठ: 8   फोन 97111 01161   ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

अधिकारी की मौत

नई दिल्ली 30 मई (निस) रिटायर्ड आईएएस अधिकारी धनेंद्र कुमार की दिल्ली के हौज खास स्थित उनके घर में आग लगने से मौत हो गई। शुरुआती जांच के मुताबिक, आग एयर-कंडीशनिंग यूनिट में हुए ब्लास्ट के कारण लगी थी। हादसे के वक्त घर में पांच लोग मौजूद थे। इलाज के दौरान धुएं के कारण दम घुटने से धनेंद्र की मौत हो गई।

पंजाब में युवक की हत्या, पुलिस ने जांच शुरु की

औड़/चक्कदाना 30 मई (निस)कस्बा औड़ में भरे बाजार में अज्ञात हमलावरों द्वारा एक युवक की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद पूरे कस्बे में हड़कंप मच गया और लोगों में डर का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंच गए और जांच शुरू कर दी।

पंजाब, हरियाणा सहित उत्तरी भारत के अनेक भागों में बारिश से तापमान गिरा

दिल्ली-एनसीआर,पंजाब व हरियाणा में दिन में छाया अंधेरा, भीषण गर्मी से मिली राहत

नई दिल्ली 30 मई (निस) उत्तर और पश्चिम भारत के कई राज्यों में शनिवार शाम को मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। दिल्ली एनसीआर में हुई बारिश के से लोगों को राहत मिली है। वहीं राजस्थान में रेतीला बवंडर आने से लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मौसम को देखते हुए विभाग ने गुजरात और उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में भी मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया।

दिल्ली–एनसीआर में दिन में छाया अंधेरा – शनिवार शाम को दिल्ली और आसपास के इलाकों (ह्ष्ट्क्र) में अचानक घने बादल छा गए और तेज धूल भरी हवाएं चलने लगीं। मौसम विभाग ने 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। पिछले कुछ दिनों की भीषण गर्मी के बाद दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से गिरकर 36 से 38 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया।

उत्तराखंड में जारी हुआ ऑरेंज अलर्ट– देवभूमि उत्तराखंड में अगले कुछ दिनों तक मौसम के तेवर तल्ख रहने वाले हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने देहरादून, टिहरी, पौड़ी और पिथौरागढ़ जिलों के लिए 30 मई को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा 31 मई को चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी और बागेश्वर में भारी बारिश, ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। पर्वतीय क्षेत्रों में यह सिलसिला 1 और 2 जून तक जारी रह सकता है, जबकि 3 जून से मौसम के पूरी तरह साफ होने की उम्मीद है।

हरियाणा– यमुनानगर में मौसम ने अचानक करवट ली। पहले तेज हवाएं चलीं और आसमान में काले बादल छा गए। इसके बाद तेज आंधी और तूफान के साथ जोरदार बारिश शुरू हो गई। कुछ ही देर में सड़कों पर पानी भर गया और पूरा शहर बारिश से तरबतर नजर आया।पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोग परेशान थे। **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

यूपी में उपभोक्ताओं को लगेगा बिजली का झटका

लखनऊ, 30 मई (निस) ईरान–इजराइल के युद्ध को लेकर पेट्रोल और डीजल के दामों की बढ़ोत्तरी के बाद अब महंगाई का असर बिजली पर भी पड़ गया। यूपी में बिजली महंगी हो गई है। इससे उपभोक्ताओं को बड़ा झटका लगा है। यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड बिजली बिल में 10 फीसदी एक्स्ट्रा चार्ज लगाने का फैसला किया है। ये चार्ज जून में आने वाले बिजली बिल में जुड़कर आएगा। इससे यूपी के तीन करोड़ से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं की जेब पर भारी बोझ बढ़ेगा। यानी अब बिजली उपभोक्ताओं को 10 फीसदी अतिरिक्त पैसा देना होगा। अगर आपका 100 रुपए का बिल आएगा तो उस पर 10 रुपए ज्यादा देने होंगे।

होनहार छात्रों के भविष्य के साथ हो रहा भारी खिलवाड़, सरकार जिम्मेदारी ले-केजरीवाल

नई दिल्ली, 30 मई (निस) पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने नीट–यूजी परीक्षा में पेपर लीक रोकने के लिए वायुसेना के विमानों के इस्तेमाल संबंधी प्रस्तावित व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि केवल प्रश्नपत्रों के परिवहन का तरीका बदलने से पेपर लीक जैसी समस्याएं खत्म नहीं होंगी और इसके लिए मजबूत एवं पारदर्शी व्यवस्था की आवश्यकता है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने बयान में केजरीवाल ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता पेपर लीक रोकने की बजाय दिखावटी उपायों पर केंद्रित दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की शिक्षा व्यवस्था परीक्षा माफिया के प्रभाव में आ चुकी है और इसे सुधारने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयासों की जरूरत है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट–यूजी परीक्षा प्रश्नपत्र लीक होने के बाद रद्द कर दी गई थी। अब इसकी पुनर्परीक्षा 21 जून को प्रस्तावित है। इसी बीच, देशभर में आयोजित सीयूईटी–यूजी परीक्षा के दौरान भी कुछ केंद्रों पर तकनीकी समस्याओं की शिकायतें सामने आई हैं। आप की वरिष्ठ नेता आतिशी ने भी वाराणसी के एक परीक्षा केंद्र पर कथित सर्वर समस्या का मुद्दा उठाया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने परीक्षा प्रबंधन पर सवाल उठाए और कहा कि छात्रों के भविष्य से जुड़े मामलों में लापरवाही स्वीकार्य नहीं है।

भारतीय नौसेना के खौफ से छिप गए थे पाक सैनिक-राजनाथ सिंह का दावा

रक्षा क्षेत्र पूरी तरह से आत्मनिर्भर बनने की तरफ बढ़ रहा, उत्पादन में वृद्धि

लखनऊ 30 मई (निस) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि आपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय नौसेना (नेवी) ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उसने पाकिस्तान के मन में लगातार भय बना दुश्मन देश की नौसेना को उसके बंदरगाहों में 'दुबक कर' बैठने को मजबूर कर दिया। उन्होंने समुद्री मार्गों की सुरक्षा को ही दुनिया की शांति और समृद्धि की 'चाभी' करार दिया।

रक्षा मंत्री एवं उप्र की राजधानी लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने यहां नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण करने के बाद अपने संबोधन में रूस–युक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी लड़ाई का जिक्र करते हुए कहा कि हर तरफ इस समय उथल–पुथल मची हुई है और यह हमें संदेश दे रही है कि दुनिया की शांति और समृद्धि की चाभी नौवहन मार्गों की सुरक्षा में ही है। समुद्र में आपकी उपस्थिति एक तरह से ताकत का ही प्रतीक होती है। पिछले साल अप्रैल में जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले को एक उदाहरण के तौर पर पेश करते हुए उन्होंने कहा कि पिछले साल पहलगाम में एक कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला हुआ था। आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हमारे निर्दोष लोगों की हत्या कर दी थी, उसके बाद पूरे देश का खून खौल उठा था और फिर हमारी सेनाओं ने मिलकर ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया और सटीक हमले करके पाकिस्तान में स्थित आतंकी ढांचे को पूरी तरह से तबाह कर दिया था। रक्षा मंत्री ने कहा कि आपरेशन सिंदूर में सेना और वायु सेना ने तो अपनी भूमिका निभाई थी, लेकिन जो जिम्मेदारी हमारी नौसेना ने निभाई, वह भी बहुत महत्वपूर्ण थी। उस समय हमारी नौसेना पूरी ताकत से अरब सागर में पहुंची थी। हमारे नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी बार–बार कहते थे कि हमें कब अवसर मिलेगा कि हम भी पाकिस्तान को सबक सिखा सकें। मेरी भी इच्छा होती थी कि यह अवसर काश उसे मिल जाता तो नौसेना क्या होती है, यह पूरा हिंदुस्तान समझ जाता। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना ने दुश्मन के मन में लगातार भय बनाए रखा और इसी का नतीजा है कि पाकिस्तान की पूरी नौसेना डरकर अपने बंदरगाहों में 'दुबक कर' बैठ गई।

भारत का रक्षा क्षेत्र पूरी तरह से आत्मनिर्भर–रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र पूरी तरह से आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और साल 2014 के 46 हजार करोड़ रुपये के कुल रक्षा उत्पादन के मुकाबले अगले महीने यह आंकड़ा पौने दो लाख करोड़ **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

राजस्थान में रेतीले बवंडर का कहर, दिन में छाया अंधेरा

जयपुर, 30 मई (निस) राजस्थान के उत्तर–पश्चिमी हिस्से में शनिवार को आए भीषण रेतीले तूफान ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। श्रीगंगानगर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और सीकर जिलों में दोपहर के समय तेज रेतीला बवंडर उठने से दिन में ही अंधेरे जैसी स्थिति बन गई। बताया जा रहा है कि इसका प्रभाव लगभग 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में देखा गया।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रेतीले तूफान की शुरुआत हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर क्षेत्र से हुई, जिसके बाद यह तेजी से आसपास के जिलों में फैल गया। इस दौरान 60 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। धूल और रेत के घने गुबार के कारण दृश्यता काफी कम हो गई, जिससे लोगों को दिन के समय भी वाहनों की हेडलाइट जलाकर सफर करना पड़ा। तूफान के कई वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं, जिनमें लोग तेज हवाओं और धूल से बचने के लिए घरों और दुकानों की ओर भागते दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि उन्होंने पहले कभी इतना व्यापक और घना रेतीला तूफान नहीं देखा। कुछ लोगों के अनुसार धूल का गुबार 80 से 100 फीट तक ऊंचा दिखाई दे रहा था, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। तेज आंधी के कारण कई स्थानों पर पेड़ जड़ समेत उखड़ गए और बिजली के खंभों को भी नुकसान पहुंचा। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में स्थिति पर नजर बनाए रखी है।

सरकार परीक्षा तक ईमानदारी से नहीं करा सकती विश्व गुरु कैसे बन पाएंगे -राहुल गांधी

नई दिल्ली, 30 मई (निस) लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक और परीक्षा रद्द मामले को लेकर केंद्र सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, कि नीट, सीबीएसई, एसएससी और सीयूईटी जैसी प्रमुख परीक्षाओं में लगातार सामने आ रही समस्याएं देश की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने कहा कि एक भी परीक्षा ईमानदारी से नहीं करा सके हैं और दावे विश्वगुरु के किए जा रहे हैं।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी, चार परीक्षाएं और एक करोड़ बच्चे। एक भी ईमानदारी से नहीं हो पाईं। दावे विश्वगुरु के, लेकिन देश में एक परीक्षा भी नहीं करवा सकते– मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था तबाह कर दी है। राहुल गांधी ने आगे कहा, जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं– वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी।

इस प्रकार राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा कि करोड़ों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े परीक्षा तंत्र में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित नहीं की जा सकी है। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था को कमजोर किया गया है और इसका खामियाजा देश के युवाओं को भुगतना पड़ रहा है, वही भविष्य में जवाब भी देगी।

सीडीएस अनिल चौहान हुए सेवानिवृत्त तीनों सेनाओं ने दी भावभीनी विदाई

नई दिल्ली, 30 मई (निस) देश के दूसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान शनिवार को सैन्य सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर नई दिल्ली में उन्हें भारतीय थल सेना, नौसेना और वायुसेना की ओर से संयुक्त रूप से गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। यह समारोह उनके चार दशक से अधिक लंबे और गौरवशाली सैन्य जीवन के सम्मान में आयोजित किया गया।सेवानिवृत्ति के अवसर पर जनरल चौहान ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद आयोजित समारोह में तीनों सेनाओं के जवानों ने उन्हें औपचारिक सलामी दी। इस मौके पर जनरल चौहान ने कहा कि तीनों सेनाओं के संयुक्त गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सैन्य सेवा से विदाई लेना उनके लिए गर्व और सम्मान का विषय है।

पीएम की अपील एवं आयात डियूटी बढ़ने से बाजार में सोने की मांग में भारी गिरावट

नई दिल्ली, 30 मई (निस) केंद्र सरकार द्वारा सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाने के फैसले के बाद देश में सोने की डिमांड में बड़ी गिरावट आई है। बता दें अमेरिका और ईरान के बीच जंग की वजह से बिगड़े हालात के बीच पीएम मोदी ने आम जनता से सोने की खरीदारी को एक साल तक टालने की अपील की थी। इसके बाद से ही सरकार ने इंपोर्ट ड्यूटी को बढ़ाने का फैसला लिया।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आंकड़े बता रहे हैं कि 13 मई के बाद भारत में सोने की मांग में करीब 70फीसदी की गिरावट आई है। इंडस्ट्री के अनुमानों के मुताबिक 27 मई को खत्म हुए पखवाड़े में सोने की मांग गिरकर करीब 7.5 टन रह गई जबकि एक साल पहले यह करीब 25 टन थी। दरअसल, सरकार ने 13 मई से सोने पर आयात शुल्क को 6फीसदी से बढ़ाकर 15फीसदी कर दिया था। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय सचिव ने कहा कि पूरे भारत के जौहरियों से मिल रही रिपोर्टों से पता चलता है कि आयात शुल्क बढ़ाए जाने के बाद सोने की मांग में 70फीसदी की गिरावट आई है। असंगठित व्यापार इस शुल्क बढ़ोतरी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। बता दें इसका सोने के कुल व्यापार में 65फीसदी हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की ज्यादा कीमतें और खाने–पीने की चीजों के महंगे होने का भी ग्राहकों के मूड पर असर पड़ रहा है।

एक जून से तीस जून तक देश भर में चलेगा खेत बचाओ अभियान

नई दिल्ली,30 मई (निस) किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने और मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से केंद्र सरकार 1 जून से 30 जून 2026 तक देशव्यापी 'खेत बचाओ अभियान' शुरू करने जा रही है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा कि यह केवल जागरूकता कार्यक्रम नहीं, बल्कि खेतों और मिट्टी को बचाने का जन आंदोलन होगा। दिल्ली में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में कृषि मंत्री ने स्पष्ट किया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य कम खाद, सही खाद और सही सलाह के सिद्धांत को किसानों तक पहुंचाना है। इसके तहत रासायनिक उर्वरकों के असंतुलित उपयोग को कम करने, मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरक प्रयोग को बढ़ावा देने तथा जैविक एवं जैव–उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाएगा। साथ ही एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

29 जून को मनाई जाएगी संत कबीर जयंती...

भाजपा सरकार प्रदेश की जनता के प्रति जवाबदेह, हर वायदा पूरा करेंगे-सैनी

चण्डीगढ, 30 मई (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार धानक समाज के सम्मान की प्रहरी है। समाज के अधिकारों की रक्षा करना, बच्चों को बेहतर भविष्य देना और समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।मुख्यमंत्री शनिवार को चण्डीगढ में धानक समाज के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इसमें हरियाणा, चंडीगढ़ के अलावा पंजाब के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि 29 जून को भिवानी में संत कबीरदास जयंती मनाई जाएगी। इसी तरह पंजाब के अबोहर और लुधियाना में भी आयोजित की जाने वाली जयंती समारोह में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उनकी हर समस्या का निराकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2029 तक भाजपा सरकार द्वारा किए गए सभी वादे पूरे किए जाएगें। अब तक 63 संकल्प पूरे किए जा चुके हैं तथा 153 संकल्पों पर गति से कार्य चल रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि धानक समाज का इतिहास स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्र निर्माण का रहा है। चाहे देश की आजादी की लड़ाई हो, समाज सुधार का आंदोलन हो या आज के विकसित भारत के निर्माण की यात्रा हो, समाज हर मोर्चे पर अग्रणी रहा है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सामाजिक न्याय, आत्म–सम्मान और अधिकारों की आवाज को और अधिक मजबूत करने का अवसर है। संत कबीर दास की विरासत के ध्वजवाहक बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके हाथों की मेहनत, माथे का पसीना और आगे बढ़ने का जज्बा ही समाज की ताकत है और यहीं विरासत है। संत कबीर दास का भी यही संदेश था कि श्रम ही सम्मान का सबसे बड़ा आधार है।उन्होंने कहा कि दशकों तक कुछ राजनीतिक दलों ने समाज को केवल वोट बैंक समझा। चुनाव के समय बड़े–बड़े वादे किए, लेकिन जब अधिकार देने की बात आई, तब केवल आश्वासन मिले। उन्होंने कहा कि हरियाणा में डबल इंजन सरकार राष्ट्र व समाज हित में ठोस निर्णय लेने वाली है। अनुसूचित जाति समाज के भीतर उन वर्गों की पीड़ा को समझा, इसीलिए विधानसभा चुनाव के दौरान संकल्प–पत्र में अनुसूचित जातियों के आरक्षण को वंचित अनुसूचित जाति और अन्य अनुसूचित जाति में विभाजित करने का वादा कर उसे धरातल पर लागू करने का कार्य किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी सेवाओं में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित 20 प्रतिशत कोटे में से 10 प्रतिशत हिस्सा विशेष रूप से वंचित अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित किया है। यह सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।उन्होंने कहा कि जब भी हम गरीब, वंचित और शोषित समाज के अधिकारों की बात करते हैं, तब बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का महान व्यक्तित्व हमारे सामने खड़ा दिखाई देता है। बाबा साहेब केवल संविधान निर्माता **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

प्रेम विवाह से नाराज पिता ने बेटी की हत्या की

कल्याण, 30 मई (निस) मुंबई से सटे कल्याण शहर में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। प्रेम विवाह करने से नाराज एक पिता ने अपनी ही विवाहित बेटी की हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कल्याण पश्चिम के पार नाका इलाके में रहने वाली गायत्री वसईकर ने कुछ महीने पहले अपने परिवार की इच्छा के विरुद्ध जाकर अपने प्रेमी से विवाह किया था। बताया जा रहा है कि परिवार ने पहले उसका रिश्ता कहीं और तय किया था और सगाई भी हो चुकी थी। हालांकि, गायत्री ने वह रिश्ता तोड़कर अपनी पसंद के युवक से शादी कर ली थी।

परिजनों के अनुसार, बेटी के इस फैसले से उसके पिता विनोद वसईकर बेहद नाराज थे। प्रेम विवाह को लेकर परिवार में लंबे समय से तनाव बना हुआ था। घटना वाले दिन गायत्री अपने मायके आई हुई थी।

दिल्ली मुम्बई को थी दहलाने की साजिश-पाक एवं अंडरवर्ल्ड से जुड़े 9 संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली 30 मई (निस) दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़े राष्ट्रविरोधी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। स्पेशल सेल ने 9 संदिग्ध आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, पकड़े गए इन संदिग्धों के तार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ और मुंबई अंडरवर्ल्ड के कुछ गुर्गों से जुड़े हुए हैं। ये आरोपी राजधानी दिल्ली, मुंबई सहित देश के कई अन्य महानगरों के महत्वपूर्ण ठिकानों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की फिराक में थे।

भारी मात्रा में हथियार हुए बरामद– सुरक्षा बलों को मिली खुफिया जानकारी के अनुसार देश में कुछ संदिग्ध सुरक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाना चाहते थे। इसके चलते दहशत का माहौल पैदा करने के लिए बड़े हमलों की साजिश रच रहे हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से भारी तादाद में अवैध हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए हैं, जिनमें अत्याधुनिक पिस्तौलें और हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि ये सभी आरोपी सीमा पार बैठे अपने पाकिस्तानी आकाओं (हैंडलर्स) के सीधे संपर्क में थे और वहीं से इन्हें हमलों के संभावित ठिकानों (टारगेट्स) की सूची और निर्देश मिल रहे थे।

कई राज्यों से जुड़े हैं तार–पुलिस सूत्रों के अनुसार, पकड़े गए संदिग्धों का जाल कई राज्यों में फैला हुआ है। हिरासत में लिए गए लोग दिल्ली, महाराष्ट्र और पंजाब के रहने वाले हैं। इसके अलावा, इस मॉड्यूल में कुछ विदेशी नागरिकों के शामिल होने की भी बात सामने आ रही है, जिनकी पहचान और नागरिकता को लेकर पुलिस अभी जांच कर रही है। सुरक्षा एजेंसियां अब इस मॉड्यूल के मुंबई अंडरवर्ल्ड से कनेक्शन की गहराई से जांच कर रही हैं। अधिकारियों का मानना है कि आतंकियों को हथियार, फंडिंग (लॉजिस्टिक्स) और छिपने के ठिकाने मुहैया कराने के लिए इस आपराधिक नेटवर्क का इस्तेमाल किया जा रहा था।

सम्पादकीय

शेयर बाजार में उठापठक आखिर कब तक

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की जो ताजा रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। उसके अनुसार भारतीय शेयर बाजार में पिछले तीन माह में भारी उतार चढ़ाव के कारण निवेशकों के 13 लाख करोड रुपए शेयर बाजार में डूब गए हैं। चौथी तिमाही में निफ्टी 50 में 10 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। भारतीय शेयर बाजार में जिस तरह की गिरावट निरंतर बनी हुई है। उसने भारत के संस्थागत निवेशक वित्तीय संस्थान बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम की चिंताऐं तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। ईरान और अमेरिका के बीच जिस तरह से तनाव बना हुआ है। यह आगे और बढ़ता हुआ दिख रहा है। दुनिया के अधिकांश देशों में ऊर्जा संकट लगातार बढ़ रहा है। ऊर्जा संकट के कारण अर्थव्यवस्था में भारी उथल-पुथल देखने को मिल रही है। ऊर्जा संकट ने पूरी दुनिया में एक अलग तरह के आर्थिक संकट को जन्म दिया है। कच्चे तेल और गैस इत्यादि के बढ़ते दाम, उपलब्धता में लगातार कमी से शेयर बाजारों को बुरी तरह से प्रभावित किया है। विदेशी निवेशक भारत से अपना निवेश निकलकर भाग रहे हैं। 2026 एनएसई की जो रिपोर्ट प्रकाशित हुई है ।उसके अनुसार सूचीबद्ध कंपनियों में घरेलू निवेशकों की कुल हिस्सेदारी बढ़ती जा रही है। विदेशी निवेशक लगातार कई वर्षों से मुनाफा वसूली कर रहे थे। भारत का पैसा मुनाफे के रूप में विदेशों में चला गया है। विदेशी निवेश लगातार निकलने के कारण वहीं विदेशी निवेशकों की हिस्सेदारी न्यूनतम स्तर पर आ गई है। लगातार गिरावट के कारण भारत में घरेलू निवेशकों का फंड घटकर 76. 5 लाख करोड रुपए रह गया है. पिछली तिमाही के आधार पर लगभग 13 फ़ीसदी की गिरावट आई है। रिपोर्ट के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो में निवेशकों ने 19.6 अरब डॉलर भारतीय शेयर बाजार से निकाल लिए हैं। सूचीबद्ध कंपनियों में विदेशी निवेशको की हिस्सेदारी घटकर 17 साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। जो वर्तमान में चिंता का सबसे बड़ा कारण बन गया है। शेयर बाजार के साथ-साथ विदेशी मुद्रा का संकट भी भारत में बढ़ता चला जा रहा है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत लगातार गिर रही है। कच्चे तेल और गैस की कीमतें बढ़ने और डॉलर मुद्रा में भुगतान के कारण आर्थिक स्थिति में बड़ा दबाव देखने को मिल रहा है। चीन से आयात की तुलना में निर्यात बहुत कम है ।युवान मुद्रा को लेकर भी लगातार भारतीय अर्थव्यवस्था संकट में फंसती चली जा रही है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, डॉलर से ज्यादा खराब स्थिति युवान के कारण भारत की अर्थव्यवस्था को झेलना पड़ रही है। चीन से भारत का आयात निर्यात में अंतर बढ़ता चला जा रहा है। राजकोषीय घाटा लगातार बढ़ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था दो पाटों के बीच में फंसकर रह गई है। डॉलर और युवान दोनों ही भारत के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। जिस तरह की स्थिति वर्तमान में बन रही है। उसने सभी अर्थशास्त्रियों को चिंता में डाल दिया है। डीजल और पेट्रोल की कीमतें चार बार बढ़ा दी गई हैं। इसका असर महंगाई पर पड़ रहा है। महंगा डीजल पेट्रोल महंगाई को बढ़ाने का काम कर रहा है। सरकार ने औद्योगिक कंपनियों के लिए डीजल का रेट बढ़ाकर 149 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। औद्योगिक प्रतिष्ठानों को 54 रुपए प्रति लीटर ज्यादा भुगतान करना पड़ रहा है। इसका असर सभी उत्पाद पर पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में आने वाले दिनों में अर्थव्यवस्था का संकट सभी के लिए घातक सिद्ध हो सकता है। शेयर बाजार और भारतीय अर्थव्यवस्था में जिस तरह की नकारात्मकता देखने को मिल रही है। उसको देखते हुए यही कहा जा सकता है। सरकार ने वास्तविकता को स्वीकार करते हुए यदि कठोर निर्णय नहीं लिए तो स्थिति बद से बदतर हो सकती है। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक को स्थितियों का मुकाबला करने के लिए जिस तरह के प्रयास करने चाहिए, उस तरह के प्रयास कहीं से भी होते हुए नही दिख रहे हैं। उल्टा सरकार वर्तमान स्थिति का मुकाबला आंख मूंदकर, भगवान भरोसे संकट के समय मुंह मोड़ रही है। उसके कारण स्थिति दिनों दिन खराब हो रही है। सरकार अभी भी यह मानकर चल रही है। कुछ दिनों के बाद स्थिति ठीक हो जाएगी। स्थिति ठीक होने के स्थान पर दिन प्रतिदिन खराब होती जा रही है ।सरकार को गंभीरता से वर्तमान स्थिति पर विचार करना चाहिए। आम जनता और विपक्ष को वास्तविक स्थिति से अवगत कराते हुए, संकट का सामना किस तरह से करना है। इसके लिए सभी को विश्वास में लेना जरूरी है।

लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है पत्रकारिता, बढ़ रही चुनौतिया

संजय गोस्वामी

पत्रकारिता समाचारों, विचारों और घटनाओं को एकत्र करके उन्हें जनता तक पहुँचाने का माध्यम है, यह लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, जिसका उद्देश्य समाज को जागरूक, निष्पक्ष और सूचित रखना है इंसानी इतिहास में, पत्रकारिता ने अपनी अहम जगह और ऊँचे आदर्शों पर पक्के भरोसे के ज़रिए हमेशा अपनी अलग पहचान बनाई है। भारत में, पत्रकारिता का इतिहास लगभग दो सौ साल पुराना है। आज, पत्रकारिता शब्द हमारे लिए कोई नया कॉन्सेप्ट नहीं है। सुबह होते ही हमें अखबार की ज़रूरत महसूस होती है; इसके बाद, पूरे दिन हमें रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट और सोशल मीडिया जैसे अलग-अलग तरीकों से खबरें मिलती रहती हैं। इसके अलावा, रेडियो, टीवी और सोशल मीडिया सुबह से शाम तक हमारे साथ रहते हैं। इस लगातार जुड़ाव के पीछे एक खास इच्छा है—एक जिज्ञासा—नई और ताज़ा जानकारी पाने की। लोग पिछले कुछ घंटों में या पिछली रात से हुए बदलावों या सामने आई नई घटनाओं के बारे में जानकारी रखना चाहते हैं। इस बात का निचोड़ यह है कि हम अपने दोस्तों, पड़ोसियों, रिश्तेदारों और साथ काम करने वालों से अपने आस-पास हो रही घटनाओं के बारे में लगातार जानना चाहते हैं। अपने आस-पास की चीज़ों, घटनाओं और लोगों के बारे में अप-टू-डेट जानकारी पाना इंसान की एक जन्मजात आदत है; जिज्ञासा की भावना हमारे अंदर एक बहुत बड़ी ताकत है। यही जिज्ञासा न्यूज़ का बुनियादी हिस्सा है—और, बड़े पैमाने पर कहें तो, खुद पत्रकारिता का भी। अगर यह जिज्ञासा खत्म हो जाए, तो न्यूज़ की ज़रूरत भी खत्म हो जाएगी। पत्रकारिता इसी अंदरूनी जिज्ञासा को पूरा करने की कोशिश के तौर पर शुरू हुआ—यह एक ऐसा मिशन है जिसे यह आज भी पूरा कर रहा है, और अपने बुनियादी उसूलों पर मज़बूती से टिका हुआ है। इस जिज्ञासा के ज़रिए, हमें अपने आस-पड़ोस, शहर, राज्य और पूरी दुनिया के बारे में बहुत सारी जानकारी मिलती है। यह जानकारी न सिर्फ़ हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर बल्कि पूरे समाज पर असर डालती है। इसके अलावा, यह जानकारी हमारे अगले कदम को तय करने में हमारी मदद करने में भी अहम भूमिका निभाती है। यही वजह है कि आज के समाज में इन्फॉर्मेशन और कम्युनिकेशन मीडिया का महत्व तेज़ी से बढ़ा है। आज, हम देश और दुनिया भर में हो रही घटनाओं के बारे में ज़्यादातर जानकारी अलग-अलग न्यूज़ मीडिया आउटलेट से लेते हैं। इन अलग-अलग चैनलों के ज़रिए—चाहे वह अखबार हों,

टेलीविज़न, रेडियो, इंटरनेट, या सोशल मीडिया—दुनिया भर की खबरें सीधे हमारे घरों तक पहुँचती हैं। न्यूज़ ऑर्गनाइज़ेशन में काम करने वाले जर्नलिस्ट लोकल और ग्लोबल लेवल पर होने वाली घटनाओं को न्यूज़ रिपोर्ट में बदलते हैं और हम तक पहुँचाते हैं। ऐसा करने के लिए, वे रोज़ाना जानकारी इकट्ठा करते हैं, उसे न्यूज़ फ़ॉर्मेट में ढालते हैं और लोगों के सामने पेश करते हैं। इस पूरे प्रोसेस को पत्रकारिता कहते हैं। कोई भी जानकारी जो किसी व्यक्ति, समाज, देश या पूरी दुनिया पर असर डालती है, वह न्यूज़ होती है। दूसरे शब्दों में, किसी खास घटना पर रिपोर्ट, डेफिनिशन के हिसाब से, न्यूज़ है। या, जैसा कि अक्सर कहा जाता है, न्यूज़ जल्दबाज़ी में लिखा गया इतिहास है। हिंदी शब्द *पत्रकारिता* इंग्लिश शब्द पत्रकारिता का सीधा ट्रांसलेशन है। मतलब के नज़रिए से, पत्रकारिता शब्द जर्नल से बना है, जिसका मतलब है रोज़ का रिकॉर्ड, डायरी, या डेबुक—असल में, रोज़ाना की एक्टिविटीज़ का डिटेल्ड अकाउंट वाला डॉक्यूमेंट। सिर्फ़ एंटरटेनमेंट के अलावा, ये मीडिया हमें बहुत सारी जानकारी से जान-पहचान कराते हैं। इसके अलावा, एडवरटाइज़िंग ने हमें कंज्यूमर कल्चर में अच्छे से जोड़ दिया है। कुल मिलाकर, पत्रकारिता के अलग-अलग मीडियम—जैसे अखबार, मैगज़ीन, रेडियो, टेलीविज़न, इंटरनेट और सोशल मीडिया—ने लोगों से लेकर ग्रुप तक और देशों से लेकर पूरी दुनिया तक, सबको एक साथ जोड़ दिया है। इसलिए, आज पत्रकारिता में नेशनल लेवल पर आइडिया, इकोनॉमिक्स, पॉलिटिक्स और यहाँ तक कि कल्चर को भी प्रभावित करने की काबिलियत है। अपनी रोज़मर्रा की ज़िंदगी के बारे में सोचने के लिए थोड़ा समय निकालें। एक ही मोहल्ले में रहने वाले दो लोग रोज़ एक-दूसरे से मिल सकते हैं—शायद बाज़ार में, सड़क पर चलते हुए, या एक-दूसरे के घर पर। जब वे बातचीत करते हैं, तो आमतौर पर उनका पहला सवाल क्या होता है? उनका पहला सवाल हमेशा यही होता है- हालात कैसे हैं? या आप कैसे हैं? या क्या खबर है? हालाँकि ऐसे आम, रोज़मर्रा के सवालों में कुछ खास खास नहीं लग सकता है, लेकिन एक पल सोचने पर एक गहरा मतलब पता चलता है- आज, जर्नल शब्द मैगज़ीन, अखबार और डेली डेलीज़ के लिए एक निशानी के तौर पर इस्तेमाल होने लगा है। 'पत्रकारिता'—यानी, *पत्रकारिता*—अखबारों और मैगज़ीन से जुड़े एक प्रोफ़ेशन को दिखाता है, जिसमें न्यूज़ इकट्ठा करना, लिखना, एडिट करना, दिखाना और बांटना शामिल है। आज के ज़माने में, पत्रकारिता कई मीडियम जैसे अखबार, मैगज़ीन, रेडियो, टेलीविज़न, वेब पत्रकारिता, सोशल मीडिया और इंटरनेट का इस्तेमाल करने के लिए विकसित हुई है। हिंदी में पत्रकारिता का मतलब असल में यही है। इस कॉन्सेप्ट को *"पत्र'* (लेटर/पेपर) से *"पत्रकार'* (पत्रकार), और आखिर में *"पत्रकारिता'* (पत्रकारिता) तक के विकास को देखकर समझा जा सकता है। *बृहत् हिंदी शब्दकोष* (कॉम्प्रिहेंसिव हिंदी) के अनुसार (हिंदी शब्दकोश), *"पत्र'* का अर्थ है कोई चिट्ठी या कागज़ का पन्ना—विशेष रूप से, ऐसा कागज़ जिस पर कुछ लिखा या छापा गया हो; कोई कागज़ या धातु की प्लेट जिस पर किसी लेन-देन से जुड़ा कोई प्रामाणिक लेख (जैसे कि दान-पत्र या ताम्र-पत्र अनुदान) अंकित हो; कोई दस्तावेज़ी रिकॉर्ड जो किसी लेन-देन या घटना के प्रमाण के रूप में काम करे (जैसे कि पट्टा या कानूनी विलेख); या, अंत में, कोई वाहन, सवारी, या समाचार-पत्र। *"पत्रकार'* का तात्पर्य किसी समाचार-पत्र के संपादक या लेखक से है। और *"पत्रकारिता'* का अर्थ है किसी पत्रकार का काम या पेशा—वह विषय-क्षेत्र जो समाचारों के विश्लेषण, संपादन और संकलन से संबंधित है। *"बृहत् शब्दकोश'* यह स्पष्ट करता है कि *"पत्र'* का तात्पर्य किसी भी ऐसे कागज़ या माध्यम से है—चाहे वह लिखित हो या मुद्रित—जो प्रामाणिक हो और किसी विशिष्ट घटना के संबंध में दस्तावेज़ी प्रमाण के रूप में कार्य करता हो। *"पत्रकार'* उस व्यक्ति को कहते हैं जो ऐसे कागज़ या दस्तावेज़ को लिखता या संपादित करता है। और *"पत्रकारिता'* उस अकादमिक विषय-क्षेत्र को कहते हैं जो इस क्षेत्र के अध्ययन और विश्लेषण के लिए समर्पित है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि, इन सभी पारंपरिक माध्यमों में, संदेशों या सूचनाओं का प्रसार ऐतिहासिक रूप से एक-तरफ़ा प्रक्रिया रही है। इस सूचना को प्राप्त करने वालों से मिलने वाली प्रतिक्रिया (फीडबैक) लगभग न के बराबर रही है।

तंदूर सी तपिश से झुलस रहे हैं देश के 70 शहर

मनोज कुमार अग्रवाल

दुनिया के सबसे अधिक तापमान वाले शहरों में सत्तर शहर भारत के वरियता बनाए हैं। आधे से ज्यादा हिन्दुस्तान तप रहा है उत्तर प्रदेश के बांदा और महाराष्ट्र के वर्धा दोनों ही शहरों में भीषण गर्मी का रिकार्ड बनाया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, यूपी के बांदा में अधिकतम तापमान 48.2एतक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है, जबकि प्रयागराज वाराणसी मिर्जापुर भी आग उगल रहे हैं उधर महाराष्ट्र के वर्धा में भी पारा 47.1ए के उच्च स्तर पर पहुंच गया है ।बांदा और वर्धा क्षेत्र भारत और एशिया के सबसे गर्म स्थानों में शामिल हो गया है ।वर्धा (महाराष्ट्र) विदर्भ क्षेत्र में स्थित वर्धा शहर भी इस भीषण लू की चपेट में है, जहां तापमान 47.1ए तक पहुंच गया है इससे पहले राजनांदगांव काा तापमान रिकार्ड बना चुका है। तेलंगाना के हैदराबाद करीमनगर खममन की दिनों से हीटबेव में जल रहे हैं मध्यप्रदेश के खजुराहो नौगांव टीकमगढ़ छतरपुर पन्ना सतना सभी का तापमान 45 के पार जा रहा है बिहार के 13 और हरियाणा के 11 जिले भी 42-45 तापमान में झुलस रहें हैं। देश भर में मौजूदा हीटबेव में उत्तर प्रदेश में वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी और हीटवेव (लू) के कारण गैर आधिकारिक आंकड़ा 150 लोगों की जान जा चुकी है । हालांकि, हाल ही में राज्य में आए भीषण आंधी-तूफान और आकाशीय बिजली गिरने जैसी मौसम की चरम घटनाओं के कारण 111 लोगों की जान जाने की पुष्टि हुई है ।हीटवेव के प्रकोप के कारण आंध्र प्रदेश में 21 और तेलंगाना में 16 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है देश में करीब तीन सौ लोगों की जान लू भीषण गर्मी ले चुकी है हालांकि अधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है लगता है देर-सवेर देश के सभी शहर कस्बे ऐसा ही रिकार्ड बनाएंगे मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, रेगिस्तानी और पश्चिमोत्तर इलाकों से आ रही गर्म हवाओं (लू) और आसमान साफ होने के कारण धूप की प्रचंडता से इन क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश इस समय ऐसी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, जिसने सामान्य जनजीवन को हिला दिया है। जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अय सामान्य मौसमी बदलाव से आगे बढ़कर जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। अगर देखा जाए, यह केवल मौसम की सामान्य मार नहीं है, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाएं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग छांव की तलाश करते हैं। लेकिन इस बार गर्मी का स्वरूप ज्यादा तीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। है। चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास, घबराहट, सिरदर्द, पेट दर्द, बेहोशी और शरीर का तापमान बढ़ना इसके शुरुआती संकेत हो सकते हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यही स्थिति हीट स्ट्रोक में बदल सकती है, जो जानलेवा साबित हो सकती है। सबसे अधिक खतरा नवजात शिशुओं, बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं, क्रोनिक बीमार लोगों, कामगारों , किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों को होता है। ये लोग अक्सर मजबूरी में तपती धूप में काम करते हैं। इनके पास न तो पर्याप्त छांव होती है, न ठंडा पानी और न आराम की सुविधा। ऐसे में केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं है, इनके लिए स्थानीय स्तर पर ठोस व्यवस्था भी जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से से एडवाइ एडवाइजरी जारी की जा रही है। अस्पतालों में हीटस्ट्रोक कक्ष, ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट्स, आइस पैक, ठंडे तरल पदार्थ और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की व्यवस्था की जा रही है। यह स्वागत योग्य कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहेंगी या जमीन पर भी दिखाई देंगी? हर जिला अस्पताल, उप-जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के इलाज की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। एंबुलेंस कर्मियों को भी हीट स्ट्रोक की स्थिति में तत्काल राहत राहत देने का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को वाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, श्रमिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी छांव, पानी के टैंकर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जा सकते हैं। स्कूलों, खेल आयोजनों और सामूहिक कार्यक्रमों के समय में बदलाव जरूरी है।

बुजुर्गों के भरण-पोषण के लिए एक सराहनीय पहल

- ललित गर्ग

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है-मातृदेवो भव, पितृदेवो भव केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से माता-पिता और

वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं। यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं। इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है। लेकिन इस पूरे विषय को केवल एकतरफा दृष्टि से देखना भी उचित नहीं होगा। यह भी एक सच्चाई है कि कई बार माता-पिता भी बच्चों के प्रति अत्यधिक अनुशासन, नियंत्रण और अपेक्षाओं का दबाव बनाते हैं। वे चाहते हैं कि बच्चे हमेशा उनकी इच्छाओं के अनुसार ही जीवन जिएं, अपने निर्णय स्वयं न लें, विवाह, करियर, जीवनशैली हर चीज में माता-पिता की इच्छा सर्वोपरि रहे। कई बार माता-पिता बच्चों की निजी जिंदगी में अत्यधिक हस्तक्षेप करते हैं, जिससे परिवार में तनाव उत्पन्न होता है। ऐसी परिस्थितियों में बच्चों और माता-पिता के बीच दूरी बढ़ जाती है और पारिवारिक वातावरण तनावपूर्ण हो जाता है। इसलिए समस्या का समाधान केवल कानून नहीं है, बल्कि परिवार के भीतर संतुलन, संवाद और समझ भी उतनी ही आवश्यक है।

दिल्ली-मेरठ रूट पर नमो भारत का बड़ा तोहफा पीक आवर्स में 10 अतिरिक्त ट्रेन फेरे शुरू

नई दिल्ली 30 मई (निस) दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए एनसीआरटीसी ने पीक आवर्स में 10 अतिरिक्त ट्रेन ट्रिप्स शुरू करने का फैसला किया है। पिछले सप्ताह बढ़ाई गई 8 ट्रिप्स के साथ अब कुल 18 अतिरिक्त फेरे संचालित होंगे। एनसीआरटीसी ने दिल्ली-मेरठ कॉरिडोर पर यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए पीक आवर्स में सराय काले खां और मेरठ साउथ के बीच नमो भारत ट्रिप्स में फिर बढ़ोतरी की है और 10 अतिरिक्त ट्रेन ट्रिप्स जोड़ी हैं। यह वृद्धि पिछले सप्ताह एनसीआरटीसी द्वारा बढ़ाई गईं 8 अतिरिक्त ट्रेन ट्रिप्स के अलावा है। यह विस्तार दैनिक यात्रियों को अधिक सुविधा देने, प्रतीक्षा समय को कम करने और सुगम यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। 18 ट्रेन ट्रिप्स की बढ़ोतरी के साथ नई समय-सारिणी के अनुसार, 10 अतिरिक्त ट्रिप्स सुबह के पीक आवर्स में 7:00 बजे से 11:30 बजे तक उपलब्ध होंगी, जबकि 8 अन्य ट्रिप्स शाम के पीक आवर्स में 5:00 बजे से 8:30 बजे के बीच परिचालित होंगी। इस बढ़ी हुई ट्रेन फ्रीक्वेंसी से यात्रियों के लिए अधिक ट्रेनें उपलब्ध होंगी, उनका प्रतीक्षा समय कम होगा, सीट की उपलब्धता बढ़ेगी और यात्रा अनुभव समग्र रूप से बेहतर होगा। इस अतिरिक्त सेवा का लाभ विशेष रूप से रोजाना कार्यालय जाने वालों, विद्यार्थियों और अन्य नियमित यात्रियों को मिलेगा।

घर-घर से जानकारी लेंगे बीएलओ, पांच कारणों से कट सकता है वोटर लिस्ट से नाम

नई दिल्ली 30 मई (निस) दिल्ली में चुनाव प्रक्रिया को अधिक सटीक, पारदर्शी एवं सुगम बनाने के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) कार्यक्रम की तैयारियां जोर पकड़ चुकी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि 30 जून से बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा घर-घर जाकर पारदर्शी तरीके से इसको शुरू किया जाएगा। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य 2025 के मतदाताओं का डेटा तैयार करना और उसकी 2002 के डेटा के साथ मैपिंग (मिलान) करना है। अगर किसी मतदाता का फार्म वापस नहीं मिलेगा तो बीएलओ द्वारा अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत या डुप्लीकेट जैसे संभावित पांच (एबसेंट, शिफ्टेड, डेथ, डुप्लीकेट, विदेशी नागरिक) कारणों का पता लगाने के लिए पड़ोसियों से पूछताछ होगी। फिर इसी आधार पर मतदाता सूची से नाम काट दिया जाएगा। कुमार ने बताया कि जिस मतदाता का नाम मौजूदा सूची में है, उन्हें बीएलओ द्वारा एक एन्यूमरेशन फार्म उपलब्ध कराया जाएगा। यह फार्म दो प्रतियों में होगा, जिसे भरकर मतदाता को एक प्रति वापस बीएलओ को सौंपनी होगी। यदि गणना के दौरान किसी घर पर ताला मिलता है या कोई बीएलओ से नहीं मिल पाता तो बीएलओ को उस घर में फार्म डालने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली के कई इलाकों में पेयजल संकट गहराया

नई दिल्ली 30 मई (निस) गर्मी के प्रकोप के साथ ही दिल्ली के कई इलाकों में पेयजल संकट गहरा गया है, जिससे स्थानीय निवासियों का जीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका है। जल बोर्ड की उदासीनता के कारण लोग बूंद- बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। स्थिति यह है कि बार- बार शिकायत करने के बाद भी कोई ठोस समाधान नहीं हो रहा है। मॉडल टाउन के आर ब्लाक में पिछले चार दिनों से पानी की भारी किल्लत बनी हुई है। यहां के 75 वर्षीय बुजुर्ग निवासी प्रेम नाथ सिंघल ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा कि भगवान से प्रार्थना है कि ऐसी स्थिति फिर कभी उत्पन्न न हो, भले ही मौत आ जाए। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे गर्मी बढ़ रही है, पानी का संकट भी गहराता जा रहा है।

साकेत मेट्रो पर अब मिलेगी ठंडी राहत, भीषण गर्मी के बीच खुला दिल्ली का पहला कूलिंग सेंटर

नई दिल्ली 30 मई (निस) भीषण गर्मी के बीच दक्षिणी जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को साकेत मेट्रो स्टेशन का पास कूलिंग सेंटर की शुरुआत की गई। दक्षिणी जिले के डीएम लक्ष्य सिंघल ने सेंटर का उद्घाटन करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश पर यह पहल की गई है। इसका उद्देश्य गर्मी से प्रभावित लोगों को तुरंत प्राथमिक सुविधाएं प्रदान करना है। साकेत मेट्रो और बस स्टैंड के पास इस कूलिंग सेंटर को बनाया गया है अधिक से अधिक राहगीर इसका लाभ उठा सकें। इस कूलिंग सेंटर में करीब 100 लोगों के बैठने की व्यवस्था, कूलर, ठंडा पानी, ओआरएस और फर्स्ट एड जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट ध्वस्तीकरण सात महीने से अटका

नई दिल्ली 30 मई (निस) रिहायश के लिहाज से खतरनाक घोषित किए गए मुखर्जी नगर के सिग्नेचर व्यू अपार्टमेंट की ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया सात महीने से लगातार टल रही है। पिछले साल अक्टूबर माह में पूरी तरह से खाली हो चुके इस अपार्टमेंट की ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया नवंबर महीने में शुरू होनी थी, लेकिन भ्रष्टाचार मामले में सीबीआइ जांच के चलते यह कार्रवाई टलती जा रही है। इमारत के सैंपल लेने के लिए सीबीआइ कोर्ट से तीन बार समय मांग चुकी है। इस देरी के कारण डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) पर भी आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। डीडीए फ्लैट आवंटियों को हर महीने लगभग दो करोड़ रुपये किराए के तौर पर भुगतान कर रहा है। यही नहीं, देरी के कारण टेंडर की कीमत भी बढ़ती जा रही है।

सरकारी दफ्तरों में 24 डिग्री से नीचे नहीं चलेगा एसी, आदेश जारी

नई दिल्ली 30 मई (निस) राजधानी के सभी सरकारी दफ्तरों में एयर कंडीशनर के इस्तेमाल को लेकर दिल्ली सरकार ने नई व्यवस्था लागू कर दी है। अब किसी भी सरकारी कार्यालय में एसी का तापमान 24 डिग्री सेल्सियस से नीचे नहीं रखा जा सकेगा। सरकार ने बिजली की बढ़ती खपत को नियंत्रित करने और ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह फैसला लिया है। सामान्य प्रशासन विभाग और समाज कल्याण विभाग की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सभी सरकारी कार्यालयों में एसी 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच ही संचालित किए जाएं। निर्देश दिल्ली सरकार के अधीन आने वाले सभी विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, स्थानीय निकायों और स्वायत्त संस्थानों पर तत्काल प्रभाव से लागू होंगे। सरकार ने कार्यालयों में प्राकृतिक रोशनी के अधिक उपयोग और अनावश्यक बिजली खपत रोकने के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। गलियारों और सामान्य क्षेत्रों में जरूरत से ज्यादा लाइटिंग नहीं करने को कहा गया है।

नीट पेपर लीक पर भड़की एनएसयूआई- बोली- सरकार युवाओं का भविष्य नहीं बचा पा रही, मंत्री निवास का घेराव करेंगे

बिलासपुर 30 मई (निस) नीट-2026 पेपर लीक मामले को लेकर हल्ला ने केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को बिलासपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में हल्ला के प्रदेश अध्यक्ष नीरज पाण्डेय और जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने परीक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि देश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। प्रदेश अध्यक्ष नीरज पाण्डेय ने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक से मेहनत करने वाले छात्रों का भविष्य अंधकार में जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में देशभर में करीब 89 पेपर लीक की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे साफ है कि केंद्र सरकार परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित रखने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा में पेपर लीक होना बेहद गंभीर मामला है। लाखों छात्रों का भविष्य दांव पर लगा है, लेकिन एनटीए पारदर्शिता बनाए रखने में नाकाम साबित हुई है। एनएसयूआई ने एनटीए को भंग कर नई और निष्पक्ष परीक्षा एजेंसी बनाने की मांग की है। जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने कहा कि नीट परीक्षा से करीब 22 लाख छात्रों का भविष्य जुड़ा हुआ है। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अपने बच्चों को डॉक्टर बनाने के लिए कर्ज तक लेते हैं, लेकिन एक पेपर लीक उनकी उम्मीदों को तोड़ देता है। उन्होंने इसे युवाओं के सपनों की हत्या बताया। एनएसयूआई नेताओं ने केंद्र सरकार पर छात्रों के सवालों से बचने का आरोप लगाते हुए कहा कि देशभर में छात्र आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन सरकार जवाब देने को तैयार नहीं है। उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग भी उठाई। संगठन ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, जेपीसी से जांच कराने, पेपर लीक माफियाओं और उनके राजनीतिक संरक्षण की जांच करने तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही राष्ट्रीय परीक्षा सुरक्षा कानून बनाने की मांग भी रखी गई।

3 जून को होगा घेराव

एनएसयूआई ने आंदोलन की घोषणा करते हुए बताया कि 3 जून 2026 को राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में बिलासपुर के नेहरू चौक स्थित केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू के निवास का घेराव किया जाएगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में छात्र-युवा शामिल होंगे। प्रेस वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष लक्की मिश्रा, प्रदेश महासचिव विकास सिंह ठाकुर, अर्पित केसरवानी, प्रदेश सचिव लोकेश नायक समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे-जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चल रहे प्रहार अभियान के तहत कोनी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 45 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त की है। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार कर आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ग्राम जलसो में दबिश देकर आरोपी विशाल वर्मा को पकड़ा। जांच में उसके कब्जे से 45 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 9 हजार रुपए बताई गई है। जिले में अवैध शराब और नशे के कारोबार पर सख्ती के लिए पुलिस कप्तान रजनेश सिंह के निर्देश पर प्रहार अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

आरएसएस धर्म का ठेकेदार नहीं- भूपेश बघेल ने खोला मोर्चा, मोदी-रामभद्राचार्य पर दागे तीखे सवाल

बिलासपुर 30 मई (निस) भूपेश बघेल एक दिवसीय प्रवास पर बिलासपुर पहुंचे, जहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने केंद्र सरकार, आरएसएस, रामभद्राचार्य और भाजपा की नीतियों पर तीखा हमला बोला। बातचीत के दौरान भूपेश बघेल ने धार्मिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों को लेकर कई आक्रामक सवाल खड़े किए और कहा कि देश में जनता महंगाई और अव्यवस्था से त्रस्त है, जबकि सत्ता मेलोडी में व्यस्त है। रामभद्राचार्य को लेकर पूछे गए सवाल पर भूपेश बघेल ने कहा कि संत-महात्माओं से लोग मार्गदर्शन लेते हैं, पारिवारिक समस्याएं साझा करते हैं और जीवन का रास्ता खोजते हैं। लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि यदि रामभद्राचार्य खुद को रामभक्त और गौभक्त मानते हैं, तो क्या वे यह बताएंगे कि केंद्र सरकार में ऐसे लोग क्यों हैं जो गोमांस भक्षण करते हैं। उन्होंने सीधे प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रिमंडल पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी सरकार में किरण रिजिजू जैसे मंत्री हैं, नॉर्थ ईस्ट के कई मुख्यमंत्री और नेता गोमांस खाते हैं, तो क्या रामभद्राचार्य इसे उचित मानते हैं? प्राण प्रतिष्ठा में शंकराचार्यों को क्यों नहीं -भूपेश बघेल ने अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने स्वयं लंका जाने से पहले माता सीता की अनुपस्थिति में उनकी प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा की थी, लेकिन अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के दौरान शंकराचार्यों को आमंत्रित तक नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग स्वयं को शंकराचार्य मान बैठे हैं और धार्मिक परंपराओं की अनदेखी कर रहे हैं। आरएसएस धर्म का ठेकेदार कैसे बन गया?-आरएसएस पर हमला बोलते हुए भूपेश बघेल ने कहा कि आज संघ खुद को हिंदू धर्म का सबसे बड़ा ठेकेदार मानने लगा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या मोहन भागवत ने कभी किसी धार्मिक मंच पर संस्कृत का श्लोक बोला है? क्या उन्होंने कभी वेदों पर चर्चा की है? फिर हिंदू धर्म की ठेकेदारी किस आधार पर की जा रही है? पर्ची बाबा पेट्रोल सस्ता क्यों नहीं करवा देते?-भूपेश बघेल ने धीरेंद्र शास्त्री पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि जो लोग पर्ची देखकर सब बता देते हैं, वे जनता को यह भी बताएं कि पेट्रोल-डीजल और गैस के दाम आखिर कब कम होंगे। उन्होंने रामभद्राचार्य से अपील करते हुए कहा कि अपने चेला को कहें कि देश की महंगाई का समाधान भी निकालें। मोदी ट्रंप के सामने झुक क्यों जाते हैं?-पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि रामभद्राचार्य अपनी दिव्य दृष्टि से यह बताएं कि आखिर मोदी ट्रंप के सामने झुक क्यों जाते हैं। रूस से तेल खरीदना है या नहीं, यह भी अमेरिका तय करता दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि देश की जनता महंगाई से जल रही है और सरकार सिर्फ भाषण दे रही है। कवर्धा से कुनकुरी तक कानून व्यवस्था ध्वस्त-प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भूपेश बघेल ने कहा कि कवर्धा में आदिवासी महिला से गैंगरेप होता है, मुख्यमंत्री के गृहक्षेत्र कुनकुरी में महिला आत्महत्या कर लेती है और मरवाही में दिनदहाड़े व्यापारी को गोली मारकर हत्या कर दी जाती है। उन्होंने कहा कि यदि यही सुशासन है तो फिर भगवान ही मालिक है।

पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में जिलेभर में चलाया गया जागरूकता अभियान

फतेहपुर 30 मई (निस) उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीम एवं एंटीरोमियो टीम द्वारा महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत महिलाओं, बालिकाओं एवं आमजन को सुरक्षा संबंधी जानकारियां देकर जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बाजारों, सार्वजनिक स्थलों तथा ग्रामीण इलाकों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुलिस टीमों ने ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया तथा महिलाओं एवं बालिकाओं की समस्याओं के त्वरित और विधिसम्मत समाधान को लेकर जानकारी दी। कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और सरकारी सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक बनाना रहा। दिनांक 28 मई 2026 को मिशन शक्ति एवं एंटीरोमियो टीमों ने सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिलाओं, छात्राओं और आमजन को मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम, आत्मरक्षा के उपाय, कानूनी अधिकारों और सुरक्षा संबंधी उपायों पर विशेष चर्चा की गई। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, चिकित्सा सहायता 108, बाल सहायता हेल्पलाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं साइबर अपराध से संबंधित पोर्टल के बारे में जानकारी देकर इनके उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं से किसी भी प्रकार की समस्या या अपराध की स्थिति में बिना संकोच तत्काल पुलिस सहायता लेने की अपील की। पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में चलाया जा रहा यह अभियान महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है, जिससे महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़े और वे अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग बन सकें।

मुरार नदी के जीर्णोद्धार को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

ग्वालियर 30 मई (निस) माननीय उच्च न्यायालय द्वारा मुरार नदी पीआईएल की सुनवाई में दिए गए निर्देश के परिपालन में मुरार नदी के कायाकल्प और जीर्णोद्धार कार्य को गति देने के लिए बाल भवन के टीएलसी कक्ष में न्यायालय द्वारा गठित दल के सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्य की प्रगति की समीक्षा करने के साथ ही आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए रणनीति बनाई गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त संघ प्रिय, अतिरिक्त महाधिवक्ता अंकुर मोदी, रिटायर्ड जिला न्यायाधीश ए. पी.तोमर, एडीएम सीबी प्रसाद, अपर आयुक्त प्रदीप तोमर,रिटायर्ड नोडल अधिकारी विधि अनूप लिटोरिया, प्रोजेक्ट इंजीनियर, वरिष्ठ वकील और संबंधित ठेकेदार एवं टीम के अन्य सदस्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे। ?बैठक में जानकारी दी गई कि मुरार नदी के जीर्णोद्धार प्रोजेक्ट के तहत रामऊआ डैम से लेकर जड़ेरुआ तक नदी के किनारे पाथवे (पैदल मार्ग), फेंसिंग और कर्व स्टोन लगाने जैसे सौंदर्यीकरण के कार्य किए जाने हैं।

आबूनगर ईदगाह में सकुशल अदा हुई नमाज, जिलेभर में सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया पर्व

फतेहपुर 30 मई (निस) जिले में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व गुरुवार को पूरे उत्साह, श्रद्धा और भाईचारे के माहौल में शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईदगाहों एवं मस्जिदों में विशेष नमाज अदा कर मुल्क में अमन, चैन और तरक्की की दुआ मांगी। प्रशासन और पुलिस विभाग की मुस्तैदी के चलते जिलेभर में त्योहार सकुशल संपन्न हुआ और कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित ईदगाह रेडइया आबूनगर में बकरीद की नमाज शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। नमाज के दौरान बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग मौजूद रहे, जिन्होंने अल्लाह की बारगाह में देश, प्रदेश और समाज में शांति एवं भाईचारे की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी प्रेम एवं सौहार्द का संदेश दिया। पर्व को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पहले से ही सतर्क नजर आया। सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक स्वयं ईदगाह पहुंचे तथा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर तैनात पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सुरक्षा प्रबंधों की बारीकी से समीक्षा की। ईदगाह परिसर और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति पर नजर बनाए रहे, जिससे पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो। यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स एवं पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक ने जनपदवासियों को ईद-उल-अजहा की शुभकामनाएं देते हुए सभी से आपसी भाईचारा, शांति और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी पर्व आपसी प्रेम और सद्भाव के साथ मनाए जाने चाहिए, जिससे समाज में एकता और भाईचारा मजबूत हो।

अपनी जान पर खेल गया दिल्ली पुलिस का हवलदार,आग में फंसे दंपती और 11 ब्लाइंड छात्रों समेत 13 लोगों को बचाया

नई दिल्ली 30 मई (निस) उत्तरी जिले के बुराड़ी इलाके में लगी भीषण आग के बीच दिल्ली पुलिस के एक हवलदार ने 13 लोगों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जिंदगी बचा ली थी। धुएं और आग की लपटों से घिरी इमारत में फंसे दंपती को बचाने के साथ ही हवलदार ने पास के हॉस्टल में रह रहे 11 दृष्टिबाधित छात्रों को भी सुरक्षित बाहर निकाल लिया था। पुलिस अधिकारियों ने हवलदार की बहादुरी की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया है। उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, घटना 17 मई की रात करीब ढाई बजे बुराड़ी थाना क्षेत्र के दरोगा मार्केट में हुई थी। आग तेजी से ऊपर की मंजिलों तक पहुंचने लगी और पूरा क्षेत्र धुएं से भर गया। उसी दौरान बुराड़ी थाने में तैनात हवलदार अमर सिंह इलाके में गश्त कर रहे थे। सूचना मिलते ही वह तुरंत मौके पर पहुंचे। आग लगने वाली इमारत की दूसरी मंजिल पर रवि यादव और उनकी पत्नी सुप्रिया यादव फंसे हुए थे।

दिल्ली में फायर सेफ्टी नियमों में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली 30 मई (निस) दिल्ली सरकार ने दिल्ली फायर सर्विस (संशोधन) नियम 2025 अधिसूचित किए हैं। इन नियमों से फायर सेफ्टी ऑडिटर्स अब थर्ड-पार्टी सर्टिफिकेशन जारी कर सकेंगे। नेशनल बिल्डिंग कोड भी अपडेट होगा। दिल्ली में नए फायर जोन बनेंगे। इन बदलावों का लक्ष्य फायर सेफ्टी प्रक्रिया को आधुनिक, व्यवस्थित और तेज बनाना है ताकि प्रमाणन आसान हो सके। दिल्ली सरकार ने दिल्ली फायर सर्विस नियम, 2010 में कुछ नए बदलाव किए हैं। इन नए नियमों का नाम दिल्ली फायर सर्विस (संशोधन) नियम, 2025 होगा। ज्यादातर नए नियम सरकारी गजट में छपने की तारीख से तुरंत लागू हो जाएंगे, लेकिन नियम 34, 35, 36, 37, 38 और पहली व सातवीं अनुसूची से जुड़े बदलाव 90 दिन बाद लागू होंगे। जो आवेदन पहले से लंबित हैं, उनका फैसला उन्हीं पुराने नियमों के अनुसार किया जाएगा, जो आवेदन जमा करने के समय लागू थे यानी नए नियम पुराने लंबित मामलों पर लागू नहीं होंगे। अब फायर सेफ्टी ऑडिटर की नई परिभाषा जोड़ी गई है। इसका मतलब ऐसे व्यक्ति, कंपनी या एजेंसी से है जो थर्ड पार्टी के तौर पर फायर सेफ्टी जांच करेगी। पहले फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट सिर्फ दिल्ली फायर सर्विस जारी करती थी। अब यह सर्टिफिकेट अधिकृत फायर सेफ्टी ऑडिटर भी जारी कर सकेंगे।

सोनिया विहार में यमुना किनारे 5 वाटर स्पोर्ट्स क्लबों को डीडीए का नोटिस

नई दिल्ली 30 मई (निस) डीडीए ने सोनिया विहार में यमुना किनारे चल रहे पांच वाटर स्पोर्ट्स क्लबों को जमीन खाली करने का नोटिस दिया है। डीडीए का आरोप है कि यह क्लब सरकारी जमीन पर कब्जा करके बनाए गए हैं। इन क्लब में सेना, बीएसएफ के क्लब भी शामिल हैं। इन क्लबों में रोइंग, कयाकिंग और कैनोइंग जैसी खेल गतिविधियां होती हैं, यहां खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। नोटिस रविवार को लगाए गए हैं। इन नोटिस में कहा गया है कि संचालक खुद ही जमीन को खाली कर दें। नोटिस के तीन दिन के बाद डीडीए खुद बलपूर्वक कार्रवाई करेगा। डीडीए द्वारा दिए गए अचानक नोटिस से खिलाड़ियों का अभ्यास प्रभावित हो गया है। सोनिया विहार में यमुना बाकी जगह के मुकाबले बेहतर है, यहां रोइंग, कयाकिंग और कैनोइंग जैसी गतिविधियां हो सकती हैं।

दिल्ली पुलिस अब बनेगी हाईटेक, एनआईईएलआईटी के साथ किया साइबर ट्रेनिंग का समझौता

नई दिल्ली 30 मई (निस) दिल्ली पुलिस को और अधिक हाईटेक और भविष्य के अपराधों से निपटने के लिए तैयार करने की दिशा में पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने बड़ा कदम उठाया है। दिल्ली पुलिस का नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इंफार्मेशन टेक्नालाजी के बीच पुलिसकर्मियों को विशेष साइबर कोर्स कराने के लिए समझौता हुआ है। 26 मई को पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा की उपस्थिति में पुलिस मुख्यालय में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। दिल्ली पुलिस की ओर से स्पेशल कमिश्नर (ट्रेनिंग) संजय कुमार और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रानिक्स एंड इंफार्मेशन टेक्नालाजी संस्थान की ओर से वाइस चांसलर डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस मौके पर दिल्ली पुलिस अकैडमी के संयुक्त निदेशक आसिफ मोहम्मद अली और डिप्टी डायरेक्टर राजबीर सिंह भी मौजूद थे। इस साझेदारी के तहत पुलिसकर्मियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, साइबर फोरेंसिक और इंटरनेट मीडिया मानिटरिंग जैसे महत्वपूर्ण और आधुनिक क्षेत्रों में ट्रेनिंग दी जाएगी। इसका मकसद दिल्ली पुलिस की कार्यप्रणाली को आधुनिक बनाना, डिजिटल जांच की क्षमताओं को बढ़ाना और टेक्नोलाजी के जरिए होने वाले अपराधों पर लगाम लगाना।

दिल्ली में गोपनीय मीटिंग करने आया केसीपी का लीडर

नई दिल्ली 30 मई (निस) आइबी की सूचना पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस और मणिपुर पुलिस ने दिल्ली में संयुक्त ऑपरेशन कर मणिपुर के एक प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन के मास्टरमाइंड हाओबीजाम दिलीप सिंह को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। यह उग्रवादी संगठन केसीपी का लीडर बताया जा रहा है। दिल्ली पुलिस सूत्रों के मुताबिक हाओबीजाम दिल्ली में अपने नेटवर्क के कुछ लोगों के साथ गोपनीय मीटिंग करने आया था। तभी आईबी की सूचना पर स्पेशल सेल और मणिपुर पुलिस की टीम ने इसे बुधवार देर रात गिरफ्तार कर लिया।

सीबीएसई ने निजी कंपनी के भरोसे दांव पर लगाया छात्रों का भविष्य

नई दिल्ली 30 मई (निस) सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर उठे विवाद ने अब एक और बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या देश के लाखों छात्रों का भविष्य एक ऐसी डिजिटल जांच प्रणाली के भरोसे छोड़ दिया गया, जो पूरी तरह तैयार नहीं थी। धुंधली स्कैन कापियां, गलत मूल्यांकन, दूसरी उत्तर पुस्तिका अपलोड होने, गायब पन्नों और अब ऑफलाइन जांच तक पहुंच चुके मामले में अब डिजिटल मार्किंग के लिए शिक्षकों को बिना व्यापक प्रशिक्षण दिए ही ओएसएम को लागू करने की बात सामने आ रही है। अब विवाद केवल मूल्यांकन गड़बड़ियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे लागू करने में जल्दबाजी और अधूरी तैयारी तक भी पहुंच रहा है।

शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाना हम सबकी जिम्मेदारी : विधायक योगेन्द्र राणा

विधायक की अध्यक्षता में शहर के मुख्य बाजारों, गलियों, नालियों, जींद चौंक व सडक़ों पर चलाया सफाई अभियान

असंध, 30 मई (दलसिंह मान) : विधायक योगेन्द्र राणा ने स्वच्छ शहर-स्वस्थ लोग अभियान के अंतर्गत शनिवार को अधिकारियों, नपा कर्मचारियों, पार्षदों, पार्टी कार्यकर्ताओं व समाज सेवियों के साथ मिलकर असंध शहर के मुख्य बाजारों, गलियों, नालियों, जींद चौंक व सड़कों पर सफाई अभियान चलाकर आमजन को स्वच्छता का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। सफाई अभियान में स्वच्छता का संदेश देते हुए विभिन्न बैनरों के माध्यम से भी आम नागरिकों को जागरूक किया गया। विधायक ने इस अवसर पर शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए इसे जन-आंदोलन का रूप देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह नागरिकों की सोच और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता किसी एक दिन या अभियान का विषय नहीं, बल्कि यह हमारी रोजमर्रा की आदत और जिम्मेदारी होनी चाहिए। जब हर नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझेगा, तभी असंध शहर वास्तव में स्वच्छ और सुंदर बन सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सैनी और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का विजन है देश व प्रदेश को स्वच्छ बनाना।यदि हम अपने

आसपास की जगह को स्वच्छ रखेंगे तो हमारा स्वास्थ्य भी ठीक रहेगा। स्वच्छता के दृष्टिगत इस तरह के आयोजन हमें समय-समय पर करते रहने चाहिए। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि हम जहां भी रहे, जिस गली में रहे,जिस मोहल्ले में, जिस वार्ड में, जिस गांव में रहे, वहां अपने आसपास साफ सफाई जरूर रखें। विधायक ने सभी से अपील की कि स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में शामिल करें। विधायक ने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए आमजन की भागीदारी भी जरूरी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने आसपास सफाई रखें और कूड़ा निर्धारित किये गए डस्टबिन में ही डालें। इस मौके पर पूर्व रिटायर्ड आई ए एस बी एस मलिक ने भी शहरवासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि वे अपने आसपास साफ -सफाई का विशेष ध्यान रखें, कचरे का सही निस्तारण करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुंदर शहर का सपना तभी साकार होगा, जब हर नागरिक इसमें अपनी सक्रिय भूमिका निभाएगा।

इस अवसर पर नगर पालिका चेयरपर्सन सुनीता अरडाना, असंध मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रवीण राणा, चिडाव ब्लॉक समिति चेयरमैन सतीश दादूपुर, नायब तहसीलदार राधेश्याम चावला, नपा सचिव प्रदीप जैन, वाईस चेयरमैन रामअवतार जिंदल, असंध मंडल अध्यक्ष हिमांशु छाबड़ा, जुंडला मंडल अध्यक्ष राहुल कुमार, अमित राणा, बलकार सिंह, पूर्व चेयरमैन दीपक छाबड़ा, भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ बूटी राम, ब्रिज टक्कर, जीवन चानन कॉलेज के संचालक रमेश बतरा, समाजसेवी संदीप लाठर, असंध मंडल महामंत्री विनय राणा, अजय मास्टर, गांव कतलाहेड़ी सरपंच सुनील, गांव बुढऩपुर वीरान सरपंच सतीश, बाबा सूबे सिंह सहित असंध नपा के सभी पार्षदगण, अधिकारी व सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

बाल भवन में नि:शुल्क समर कैंप 2 वर्ष से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए आयोजित

यमुनानगर, 30 मई (दिनेश कुमार) : जिला बाल कल्याण अधिकारी सुखमिंदर सिंह ने बताया कि हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद के तत्वाधान में उपायुक्त एवं प्रधान जिला बाल कल्याण परिषद यमुनानगर प्रीति की ओर से गर्मी की छुट्टियों में बाल भवन कैंपस में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। सभी अभिभावकों व स्कूल संचालकों को अनुरोध किया गया है कि यह सूचना 2 वर्ष से 14 वर्ष की आयु के बच्चों और उनके माता-पिता व अभिभावकों को दें ताकि इस समर कैंप का लाभ उठा सके। उन्होंने बताया कि यह कैंप 2 जून 2026 से 23 जून 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। जिसमें बच्चों को उनकी रुचि के अनुसार विभिन्न प्रकार की कलात्मक, रचनात्मक, शिक्षाप्रद गतिविधियों में व्यस्त रखा जाएगा। कैंप का समय सुबह 9.30 बजे से 1.30 बजे दोपहर तक रहेगा। इस दौरान माता-पिता अपने बच्चों को बाल भवन लाने और ले जाने की व्यवस्था स्वयं करेंगे। इस कैंप में जो बच्चे हिस्सा लेंगे वह अपना पंजीकरण किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय में आकर करवा सकते हैं। यह कैंप बिल्कुल निश्शुल्क रहेगा और बाल भवन की ओर से प्रतिदिन रिफ्रेशमेंट भी दी जाएगी। कैंप शनिवार, रविवार और सभी गजेटेड छुट्टियों पर बंद रहेगा। अधिक जानकारी के लिए अभिभावक समन्वयक अंकित पांडे मोबाईल नंबर- 9501376491 व संजीव कुमार मोबाईल नंबर- 7015911449 पर सम्पर्क कर सकते है। इस कैंप में भाग लेने के लिए स्टूडेंट्स और बच्चों की एक्टिविटीज़ को दो एज कैटेगरी में बांटा गया है। जूनियर ग्रुप (उम्र 2 से 6 साल)- क्ले मॉडलिंग, रंगों के साथ आर्ट, पेपर आर्ट एंड क्राफ्ट, बेसिक पेंटिंग। ड्राइंग, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट (अच्छी आदतों और पर्सनल हाइजीन पर फोकस), हल्के योगा पोजिशन, और

सीनियर ग्रुप (उम्र 7 से 14 साल)- डांस, सिंगिंग, बेसिक म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स (ढोलक, कांगो, हारमोनियम) सीखना, योग/मेडिटेशन, टिशू/रिबन-फूल बनाना, दीया थाली/कलश डेकोरेशन, इंग्लिश और हिंदी कैलिग्राफी, पोस्टर मेकिंग, लेटर और एस्से राइटिंग, न्यूज़पेपर रीडिंग, मैथ ट्रिक्स और टेबल्स, और बिना आग के खाना बनाना (मिनी चोको बॉल्स, नो-बेक बिस्किट केक, और हेल्दी स्प्राउट्स बनाना और कॉम चैट) उन्होंने बताया कि इस कैंप में हिस्सा लेने के लिए कोई फीस नहीं है, यह पूरी तरह से निश्शुल्क है। सभी पार्टिसिपेंट्स को अपनी जरूरत के हिसाब से अपनी पानी की बोतलें और बेसिक पर्सनल सामान लाना होगा। 23 जून, 2026 को कैंप खत्म होने पर डिपार्टमेंट सभी बच्चों को ऑफिशियल पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट देगा। पेरेंट्स को अपने बच्चों को 2 जून से पहले रजिस्टर करना होगा, रजिस्टर करने के लिए, कृपया बच्चे का नाम, माता-पिता का नाम, पता, स्कूल का नाम, आधार नंबर, फैमिली आईडी और कॉन्टैक्ट नंबर दें। बच्चों को एनरोलमेंट पूरा करने के लिए अपने आधार कार्ड, फैमिली आईडी और एक पासपोर्ट साइज फोटो की एक कॉपी जमा करनी होगी।

बिजली संकट को लेकर रायपुररानी में हंगामा, गुस्साए ग्रामीणों ने देर रात पावर हाउस का किया घेराव

बार-बार बिजली कटौती से अंधेरे में डूबा क्षेत्र, जलापूर्ति ठप होने पर भड़के लोग, एसडीओ-जेई के लिखित आश्वासन के बाद माने ग्रामीण

रायपुररानी, 30 मई (देवेन्द्र सिंह) : रायपुररानी क्षेत्र में लगातार बिगड़ रही बिजली व्यवस्था के विरोध में शुक्रवार देर रात ग्रामीणों का गुस्सा सड़क पर उतर आया। बिजली आपूर्ति में बार-बार आ रही रुकावटों से परेशान ग्रामीणों ने स्थानीय पावर हाउस पहुंचकर विभाग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और अधिकारियों से जवाब मांगा।

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि क्षेत्र में घंटों बिजली गुल रहने के बावजूद विभाग 14 घंटे बिजली आपूर्ति के दावे कर रहा है, जो पूरी तरह हकीकत से परे हैं। लोगों का कहना था कि बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली बंद की जा रही है, जिससे न केवल घरेलू कामकाज प्रभावित हो रहे हैं, बल्कि पेयजल आपूर्ति भी ठप पड़ गई है। ग्रामीणों के बढ़ते आक्रोश को देखते हुए पावर हाउस में मौजूद कर्मचारियों ने वहाँ से दूरी बनाने लगे। देखते ही देखते बड़ी संख्या में लोग पावर हाउस के बाहर एकत्र हो गए और अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग करने लगे।

जबकि सूचना मिलते ही डायल-112 पुलिस टीम भी मौके पर पहुँच गई और स्थिति को संभालने में जुट गई। करीब 40 मिनट तक चले हंगामे और बातचीत के दौर के बाद एसडीओ प्रदीप बलौदी और जेई रामभज कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुँचे। ग्रामीणों ने अधिकारियों के सामने बिजली संकट और जलापूर्ति की समस्याओं को लेकर जमकर नाराज़गी जताई। काफी देर तक चली चर्चा के बाद एसडीओ रायपुररानी ने लिखित रूप से आश्वासन दिया कि ग्राम रायपुररानी की विद्युत आपूर्ति को सुचारु रूप से संचालित किया जाएगा और केवल आपातकालीन परिस्थितियों में ही बिजली कटौती की जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि रायपुररानी फीडर एवं 11 केवी फीडर पर आवश्यक रखरखाव अथवा तकनीकी कार्य होने की स्थिति में ही न्यूनतम समय के लिए बिजली आपूर्ति बाधित की जाएगी और उपभोक्ताओं को कम से कम परेशानी हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। एसडीओ रायपुररानी के लिखित आश्वासन के बाद ग्रामीणों का गुस्सा शांत हुआ और प्रदर्शन समाप्त कर दिया गया। हालांकि ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि बिजली आपूर्ति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी विभाग की होगी।

प्रदर्शन में एडवोकेट चंद्रप्रकाश, गौरव मित्तल, मनप्रीत मेहरा, रोहित शर्मा, वरुण उर्फ सन्नी, एडवोकेट रोहित शर्मा, संदीप, संतोष सैनी, पीयूष शर्मा, बब्बू सैनी, कमल, जितेन्द्र मोहन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

किसान अपने हितों के लिए संगठित रहे ओर जरुरत पड़ने पर आंदोलन में सक्रिय भागेदारी निभायें : गुरनाम चढूनी

- रमेश दूहन बने भाकियू बाबैन ब्लॉक के प्रधान व सतबीर घिसरपड़ी बने जिला उपाध्यक्ष

बाबैन, 30 मई (राजेश कुमार) : गांव मंगोली जाटान में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। बैठक में क्षेत्र के किसानों और यूनियन कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया तथा किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से नई नियुक्तियों की घोषणा की गई। भाकियू कार्यकर्ता रमेश दूहन (मंगोली जाटान) को बाबैन ब्लॉक प्रधान नियुक्त किया गया, जबकि पूर्व ब्लॉक प्रधान सतबीर सिंह घिसरपड़ी को जिला उपप्रधान की जिम्मेदारी सौंपी गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने दोनों पदाधिकारियों को सरोपा एवं फूल मालाएं पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष कृष्ण कलालमाजरा, बलकार सिंह, सुखविंदर सिंह भूखड़ी, गुरबाज सिंह, शीशपाल, गुरदयाल सिंह, जय कुमार, गुरनाम सिंह, हाकम सिंह, अजब सिंह, मलकीत सिंह तथा राजबीर सिंह सहित अनेक किसान नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढूनी ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि सूरजमुखी फसल के लिए पोर्टल समय पर उपलब्ध न होने तथा खरीद प्रक्रिया में देरी होने के कारण किसानों को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि खरीद प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए ताकि

किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने आगे कहा कि आगामी 1 जून से 4 जून तक अमेरिका के साथ प्रस्तावित कृषि एवं व्यापारिक समझौते (डील) को लेकर चर्चाएं होने वाली हैं।

यदि यह समझौता किसानों के हितों की अनदेखी करते हुए लागू किया जाता है तो इसका प्रतिकूल प्रभाव देश के कृषि क्षेत्र पर पड़ेगा और किसानों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि अपने अधिकारों और हितों की रक्षा के लिए वे संगठित रहें तथा आवश्यकता पड़ने पर आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाएं। गुरनाम चढूनी ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रत्येक किसान परिवार से अपील की कि किसान हितों की रक्षा के लिए चलाए जाने वाले आंदोलनों में हर घर से कम से कम एक सदस्य अवश्य भाग ले।

चिकन ढाबा व डेयरी संचालक समेत छह दुकानदारों के काटे चालान

जगाधरी की नगर निगम की टीम ने की कार्रवाई, गंदगी फैलाने व पॉलिथीन इस्तेमाल करने पर निगम ने कसा शिकंजा, छह के काटे चालान

जगाधरी, 30 मई (दिनेश कुमार) : सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने, खुले में गंदगी डालने व अतिक्रमण करने वालों पर नगर निगम लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में नगर निगम की टीम ने जगाधरी के बूड़िया चौक, छछरौली रोड और बूड़िया रोड पर छापेमारी की। निगम की टीम ने बूड़िया चौक पर एक चिकन ढाबा और डेयरी संचालक समेत छह दुकानदारों पर कार्रवाई की। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर यह कार्रवाई सफाई

निरीक्षक अमित कांबोज की टीम द्वारा की गई। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद के निर्देशों पर जोन एक में मुख्य सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह व जोन दो में मुख्य सफाई निरीक्षक विनोद बेनीवाल के नेतृत्व में टीमें सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने, खुले में गंदगी डालने व अतिक्रमण करने वालों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। जोन एक में ही सफाई निरीक्षक अमित कांबोज व होमगार्ड के जवानों की टीम बूड़िया चौक पर पहुंची। यहां एक चिकन ढाबा के बाहर काफी गंदगी डाली हुई मिली। इस पर सफाई निरीक्षक अमित कांबोज ने ढाबा संचालक का मौके पर ही चालान किया और गंदगी को साफ कराया। टीम ने उसे सूखा व गीला कचरा अलग अलग डालने के लिए डस्टबिन रखने और दुकान से निकला कचरा उनमें डालने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त बूड़िया रोड पर ही छापेमारी के दौरान एक डेयरी समेत तीन दुकानदारों के पास से प्रतिबंधित पॉलीथिन बरामद हुई। निगम की टीम ने पॉलिथीन कब्जे में लेकर तीनों दुकानदारों के चालान किए। इसके अतिरिक्त जगाधरी रोड पर भी एक दुकानदार का चालान प्रतिबंधित पॉलीथिन मिलने पर किया गया। वही पर दो अन्य स्थानों पर दो यह दुकानदारों के खुले में गंदगी डालने पर चालान किया गया। सफाई निरीक्षक अमित कांबोज ने उसे बताया कि एक जुलाई 2022 से पॉलिथीन समेत 19 प्रकार की सिंगल यूज प्लास्टिक आइटम के इस्तेमाल पर प्रतिबंध है। इन्हें बेचने पर पूर्ण रोक लगाई है। ऐसा करने पर प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2022 के अंतर्गत जुर्माना और जब्ती की कार्रवाई की जाती है। अतिरिक्त निगम आयुक्त धीरज कुमार ने आमजन से अपील की कि वे शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने में सहयोग करें। सिंगल यूज प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े या जूट के थैलों का उपयोग करें, ताकि प्लास्टिक के दुष्प्रभाव को कम किया जा सके। खुले में गंदगी डालने की बजाय कचरा डस्टबिन में एकत्रित कर उसे निगम के वाहन को दें।

सुख-दुख दे साथी सभा संस्था के प्रधान बने प्रवेश गाबा

करनाल, 30 मई (संदीप रोहिला) : सामाजिक संस्था सुख-दुख दे साथी सभा की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें वर्ष 2026 के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। नई कार्यकारिणी का गठन चेयरमैन राकेश खन्ना तथा डायरेक्टर सुभाष गांधी और हितेश मनोचा की देखरेख में संपन्न हुआ। बैठक में सर्वसम्मति से प्रवेश गाबा को प्रधान चुना गया। वहीं देवराज अनेजा, अयन जग्गिया, दीपक शर्मा, अमित ढींगडा, नवनीत अरोड़ा और महेंद्र अरोड़ा को उपप्रधान की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा हरसिमरन वधवा को महासचिव, नरेश भाटिया को सचिव, रोशन कपूर और जोगिंद्र भाटिया को उप सचिव नियुक्त किया गया। मोहित चावला को कोषाध्यक्ष तथा जतिन गाबा को उप कोषाध्यक्ष बनाया गया। प्रवीण मल्होत्रा को ऑर्गनाइजिंग सचिव एवं राजीव मल्होत्रा को मीडिया एडवाइजर की जिम्मेदारी दी गई। बैठक में सामाजिक एवं मेडिकल हेल्थ से संबंधित टीम का भी गठन किया गया, जिसमें विकास कथूरिया, दविंदर

समाजसेवा को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ नई टीम का हुआ गठन

चोपड़ा, रोहित सुखीजा और नरेश भाटिया को शामिल किया गया। इस अवसर पर सभा के अनेक सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें महेंद्र खनेजा, संजय पोपली, हरीश मेहता, जगदीश भोगरा, नरेश मुटनेजा, तरसेम बतता, योगेश ढल, वरुण अरोड़ा, ओमप्रकाश सलूजा, आंनद कुकरेजा, अनिल भाटिया, अशोक सिक्का, अशोक त्रिखा, दीपक गुलाटी, हितेश भूटानी, दशमीत सिंह, दिलदीप रंजन, नवदीप सिंह, राजेश मिड्डा, समीर मनचंदा और उमेश मदान विशेष रूप से मौजूद रहे।

मदर टीचर स्कूल में अध्यापक-अभिभावक बैठक आयोजित

बरनाला, 30 मई (कपिल गर्ग) मदर टीचर क्रेच एवं प्री-स्कूल, बरनाला द्वारा 29.05.2026 को अध्यापक-अभिभावक बैठक (पीटीएम) का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों पर चर्चा करना तथा उनकी शैक्षणिक प्रगति की समीक्षा करना था।बैठक के दौरान अभिभावकों ने अपने बच्चों के संबंध में शिक्षकों के साथ विचार-विमर्श किया तथा अपने प्रश्न और सुझाव भी साझा किए। शिक्षकों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन, व्यवहार और सीखने की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।विद्यालय के कोऑर्डिनेटर ने कहा कि इस प्रकार की बैठकें शिक्षकों और अभिभावकों के बीच सकारात्मक संबंध बनाए रखने का एक प्रभावी माध्यम हैं। इससे विद्यालय और अभिभावकों को बच्चों की शैक्षणिक उन्नति में सहयोग करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्राप्त होता है।विद्यालय के प्रिंसिपल ने इस कार्यक्रम में भाग लेने तथा अपने बच्चों की शैक्षणिक सफलता में सहयोग देने के लिए सभी अभिभावकों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय और अभिभावकों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग अत्यंत आवश्यक है।

बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में मई माह के जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाए गए

बरनाला, 30 मई (कपिल गर्ग) बीवीएम इंटरनेशनल स्कूल में प्लेवे से यूकेजी तक के विद्यार्थियों के मई माह के जन्मदिन बड़े उत्साह और खुशी के साथ मनाए गए। इस अवसर पर जन्मदिन वाले बच्चों ने केक काटकर अपने मित्रों के साथ खुशियां साझा कीं।कक्षाओं को सुंदर ढंग से सजाया गया और बच्चों ने तालियों तथा मुस्कान के साथ अपने साथियों को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। स्कूल प्रबंधन और अध्यापकों ने बच्चों को शुभाशीष देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के सामाजिक एवं भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।प्रिंसिपल ने कहा कि विद्यालय विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ-साथ उनकी खुशियों और सर्वांगीण विकास को भी समान महत्व देता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास, सहभागिता और आपसी सौहार्द की भावना को बढ़ावा देते हैं।कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा, स्वच्छता और अनुशासन का विशेष ध्यान रखा गया।

सीबीएसई का दो-दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम (अंग्रेजी कोर) वाई.एस. स्कूल, बरनाला में आयोजित

बरनाला, 30 मई (बघेल सिंह धालीवाल) वाई.एस. स्कूल, बरनाला में आयोजित सीबीएसई का दो-दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम (अंग्रेजी कोर) शिक्षकों के लिए व्यावसायिक अधिगम, शैक्षणिक समृद्धि और सहयोगात्मक विकास का एक जीवंत मंच साबित हुआ। वाई.एस. स्कूल (जेनेक्स्ट) की जूनियर इकाई, स्टेपिंग स्टोन्स में आयोजित इस कार्यक्रम में कक्षा शिक्षण को सुदृढ़ करने तथा शिक्षा में भविष्य उन्मुख दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रतिबद्ध शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।सीबीएसई के इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम का संचालन प्रतिष्ठित संसाधन व्यक्तियों डॉ. निधि बराड़, वाइस प्रिंसिपल, ब्लूमिंग बड्स स्कूल, मोगा तथा सुश्री किरणजीत कौर, पीजीटी अंग्रेजी, जीटीबी स्कूल, संगरूर द्वारा अत्यंत प्रभावशाली ढंग से किया गया।विभिन्न इंटरैक्टिव गतिविधियों, सहयोगात्मक कार्यों, समूह चर्चाओं, चिंतन अभ्यासों, भाषा खेलों और अनुभवात्मक शिक्षण प्रक्रियाओं ने सत्रों को अत्यंत रोचक एवं प्रभावशाली बना दिया। इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि शिक्षकों को भी आजीवन सीखने वाला बने रहना चाहिए ताकि वे भविष्य उन्मुख शिक्षा को बढ़ावा दे सकें और विद्यार्थियों को 21वीं सदी की गतिशील आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर सकें।

वाईएस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में मारी बाज़ी

बरनाला, 30 मई (बघेल सिंह धालीवाल) देश के टॉप-50 स्कूलों में शामिल वाईएस पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर शिक्षा, खेल और सर्वांगीण विकास के क्षेत्र में अपनी प्रतिबद्धता को साबित किया है। वर्ष 2025-26 के दौरान स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय खेल चैंपियनशिपों में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्कूल का नाम रोशन किया है।स्कूल की होनहार खिलाड़ी अनूरीत ने राष्ट्रीय स्तर की किक-बॉक्सिंग चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक जीते। इसी प्रकार हशनप्रीत,

अर्शवीर, गुरवीर और खुशप्रीत ने क्रमश: नेटबॉल, सैस्टोबॉल और किक-बॉक्सिंग में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक हासिल किए।राज्य स्तर पर अनमोलप्रीत, सुखमनजीत, शाइन अख्तर, गीतिका, मानवदीप और एकमवीर ने नेटबॉल और अन्य खेल प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर स्कूल की झोली में एक और उपलब्धि डाली। इसके अलावा रणदीप ने राष्ट्रीय स्तर की नेटबॉल चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर स्कूल की खेल प्रतिभा को और मजबूत किया।रजत पदक विजेताओं में राष्ट्रीय स्तर की नेटबॉल प्रतियोगिता में सानवी तथा राज्य स्तर पर किक-बॉक्सिंग में एकमवीर और बॉक्सिंग में करनदीप शामिल रहे।इसके अतिरिक्त प्रभलीन ने टेबल टेनिस में कांस्य पदक जीता, जबकि सारिका, ऐशमीन और नूरदीप ने राज्य स्तरीय तीरंदाजी चैंपियनशिप में कांस्य पदक अपने नाम किए।इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल मोहित जिंदल ने कहा, यह उपलब्धि हमारे विद्यार्थियों, अध्यापकों, कोचों और अभिभावकों की सामूहिक मेहनत का परिणाम है।

राष्ट्रीय पंजाबी महासभा के प्रदेशाध्यक्ष पहुंचें शाहाबाद, शहरी प्रधान के साथ की चर्चा

शाहाबाद मारकंडा, 30 मई (रूबी) : राष्ट्रीय पंजाबी महासभा के प्रदेशाध्यक्ष अशोक मेहता शनिवार को महासभा के शाहाबाद शहरी प्रधान शुभम साहनी के कार्यालय पर पहुंचें। अशोक मेहता ने शहरी प्रधान एवं स्थानीय पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक विषयों व आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की।

इस दौरान समाज के उत्थान, युवाओं को संगठन से जोडऩे तथा आगामी सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष अशोक मेहता ने कहा कि राष्ट्रीय पंजाबी महासभा समाज की एकता, शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना संगठन की प्राथमिकता है।

उन्होंने पदाधिकारियों से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। शहरी प्रधान शुभम साहनी ने

प्रदेशाध्यक्ष अशोक मेहता का साथियों के साथ शाहाबाद आगमन पर स्वागत करते हुए स्थानीय स्तर पर महासभा द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी।

शुभम साहनी ने बताया कि संगठन समय-समय पर सामाजिक, धार्मिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित कर समाज को एकजुट करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि भविष्य में भी महासभा समाजहित में इसी प्रकार कार्य करती रहेगी।

विशेष रूप से युवाओं को संगठन से जोडऩे, समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करने तथा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित रखने के लिए विभिन्न योजनाओं पर विचार किया गया। उपस्थित सदस्यों ने संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए अपने सुझाव भी दिए। प्रदेशाध्यक्ष अशोक मेहता ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने का संदेश दिया। इस मौके पर नपा प्रधान डा. गुलशन कवातरा, कोषाध्यक्ष हरभगवान छाबड़ा, विवेक साहनी, जयनाथ पांडे, पप्पू सहित सदस्य मौजूद थे।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन ने मोबाइल मेडिकल यूनिट्स द्वारा 79 लोगों को उपलब्ध कराई स्वास्थ्य सेवाएं

राजौंद, 30 मई (नरेश कुमार) : नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट्स ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को स्वास्थ्य स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। 'स्वस्थ कैथल अभियान' के अंतर्गत शुक्रवार को मोबाइल मेडिकल यूनिट कलायत विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत राजौंद के वार्ड नंबर 1 और 2 में पहुंची, जहां लोगों को उनके घर के समीप ही नि:शुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गई। डॉ. बलविंद्र सिंह ने बताया कि शिविर के दौरान लोगों के स्वास्थ्य जांच कर उन्हें

आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श प्रदान किया। रक्तचाप, मधुमेह सहित विभिन्न सामान्य बीमारियों की जांच की गई। इस शिविर में 65 जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं और 14 लोगों के रक्त के टैस्ट किए गए। सांसद नवीन जिन्दल के कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर कैथल के गांवों में स्वास्थ्य सेवाएं उनकेद्वार परही उपलब्ध कराई जा रही है अवसर पर सोनू, बिजेन्द्र पार्षद, कमल, हल्का कलायत प्रभारी वीरेंद्र सारण और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का कुरुक्षेत्र को बाईपास के रूप में जीवन रेखा देने पर बहुत-बहुत आभार : नायब सैनी

-ज्योतिसर से शुरू गांव किरमच, अमीन होकर मथाना तक 27.9 किलोमीटर का निकलेगा बाईपास

-कुरुक्षेत्र बाईपास नेशनल हाईवे 44, स्टेट हाईवे 6 और एमडीआर 119 को जोड़ेगा

कुरुक्षेत्र, 30 मई (करणदीप सिंह) : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का बहुत बहुत आभार और धन्यवाद है, जिन्होंने कुरुक्षेत्र के नागरिकों को बाईपास देकर एक जीवन रेखा की सौगात देने का काम किया है। कुरुक्षेत्र के लिए यह बाईपास नहीं बल्कि सड़क मार्ग पर बहुत बड़ी राहत है, जिसका लंबे समय से कुरुक्षेत्र के नागरिकों को इंतजार था। लंबे समय के इंतजार के बाद बाईपास बनाने की घोषणा से कुरुक्षेत्र के नागरिकों की खुशी का कोई ठिकाना नहीं है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि कुरुक्षेत्र को 27.9 किलोमीटर लंबी बाईपास परियोजना की सौगात मिली है। यह बाईपास कुरुक्षेत्र के दक्षिणी भाग से होकर निकाला जाएगा जो कुरुक्षेत्र पिहोवा मार्ग पर ज्योतिसर के पास इंदबरी से शुरू होकर स्टेट हाईवे नंबर 6, एमडीआर-119, किरमच रोड, अमीन रोड व नेशनल हाईवे -44 को जोड़ता हुआ गांव मथाना (स्टेट हाईवे-6) पर समाप्त होगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस परियोजना से ना केवल पिपली चौक पर ट्रैफिक दबाव कम होगा, बल्कि कुरुक्षेत्र शहर को जाम से स्थायी राहत मिलेगी। इस परियोजना के पूरा होने पर दिल्ली-यमुनानगर-हरिद्वार समेत पंजाब व कैथल की ओर यातायात और भी आसान व सुरक्षित हो जाएगा। ब्रह्मसरोवर, ज्योतिसर एवं अन्य धार्मिक स्थलों तक पहुंच आसान होने से कुरुक्षेत्र में पर्यटन, व्यापार, निवेश व रोजगार को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह बाईपास केवल एक परियोजना नहीं बल्कि हमारी ट्रिपल इंजन वाली सरकार की विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने एक बार फिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का धन्यवाद किया।

कोणार्क अकादमी में विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषयक सीबीएसई कार्यशाला हुई आयोजित

बाबैन, 30 मई (राजेश कुमार) : द कोणार्क अकादमी, लाडवा में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) द्वारा निर्धारित विद्यार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण विषय पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला का संचालन सीबीएसई पंचकुला की ओर से नियुक्त सीमा गुप्ता एवं प्रमिला सिंगल ने किया। प्रशिक्षण के दौरान

विद्यार्थियों में बढ़ते मानसिक तनाव, परीक्षा संबंधी दबाव, भावनात्मक चुनौतियों तथा उनके प्रभावी समाधान पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। प्रशिक्षकों ने शिक्षकों को विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को समझने, उनके साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करने तथा उनके आत्मविश्वास एवं मानसिक सुदृढ़ता को विकसित करने के व्यावहारिक उपाय बताए। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजनी सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उपलब्धियां अर्जित करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कारों, नैतिक मूल्यों तथा मानसिक स्वास्थ्य का समग्र विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की आधारशिला है। कार्यक्रम के दौरान समूह चर्चाओं, सहभागितापूर्ण गतिविधियों एवं अध्ययन-प्रकरणों के माध्यम से शिक्षकों ने मानसिक स्वास्थ्य संवर्धन से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्राप्त कीं। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी एवं समयानुकूल बताया। कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों एवं प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया। उपस्थित शिक्षकों ने विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य, नैतिक मूल्यों एवं सर्वांगीण विकास को केंद्र में रखकर सकारात्मक, सुरक्षित एवं प्रेरणादायी शिक्षण वातावरण के निर्माण हेतु निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लिया।

आत्म प्रकाश की सेवानिवृत्ति पर सम्मान समारोह आयोजित कर दी विदाई

करनाल, 30 मई (रविन्द्र मलिक) : कल्पना चावला राजकीय चिकित्सीय गैर-शैक्षणिक कर्मचारी कल्याण एसोसिएशन की ओर से प्रयोगशाला तकनीशियन एवं संगठन के पूर्व प्रधान आत्म प्रकाश की सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ. महेंद्र कुमार गर्ग मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि डॉ. हिमांशु मदान, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गुलशन गर्ग तथा उप-चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रुबी गोयल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के प्रधान डॉ. भूपेंद्र सिंह धत्तरवाल ने की तथा मंच संचालन उपप्रधान पदम सिंह प्रजापति ने किया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आत्म प्रकाश को स्मृति चिह्न एवं सम्मान भेंट कर उनके लंबे और समर्पित सेवाकाल के लिए आभार व्यक्त किया। मुख्य अतिथि डॉ. महेंद्र कुमार गर्ग ने अपने संबोधन में आत्म प्रकाश की बेदाग सेवा और कार्यनिष्ठा की

सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना की। अन्य वक्ताओं ने भी उनके सहयोगी स्वभाव और संस्थान के प्रति समर्पण को याद करते हुए शुभकामनाएं दीं। समारोह में विक्रांत चौहान, रंजीव कुमार, सुनील टाया, रविंद्र यादव, प्रदीप टाया, सुरेंद्र, रणबीर, जय कुमार, हरीश नागपाल, सतीश, राकेश, नवीन, ईश कुमार, प्रमोद कुमार, पुनीत कुमार, महेश कुमार, भारती अरोड़ा, पूजा, शिखा, मौनिका सैनी, अनीता, कुलदीप शर्मा, धर्मवीर, ओंकार, मनोज सैनी, सचिन, मनप्रीत, विक्रांत शर्मा, हरनेक सहित बड़ी संख्या में संगठन के सदस्य उपस्थित रहे।

आईटीआई नरवाना में 2 जून से शुरू होगी प्रवेश प्रक्रिया, 15 जून तक कर सकेंगे आवेदन

नरवाना, 30 मई (नरेन्द्र कुमार) : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नरवाना में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया 2 जून से शुरू होकर 15 जून 2026 तक चलेगी। संस्थान के प्राचार्य ओमपाल ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से समय रहते ऑनलाइन आवेदन करने का आह्वान किया है ताकि वे तकनीकी शिक्षा के माध्यम से अपने उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रख सकें।प्राचार्य ओमपाल ने बताया कि वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा रोजगार और स्वरोजगार का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। आईटीआई नरवाना में उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप अनेक आधुनिक एवं रोजगारपरक ट्रेड संचालित किए जा रहे हैं जिनमें इलेक्ट्रिशियन, फिटर, मशीनिस्ट, टर्नर, कारपेंटर, ड्राफ्ट्समैन सिविल, वेल्डर, वेल्डर, वेल्डर फैब्रिकेशन एंड फिटिंग, वेल्डर पाइप, थर्मल पावर इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम, कंप्यूटर ऑपरेटर एंड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट कोपा, सिलाई तकनीक एवं कढ़ाई, मैकेनिक मोटर व्हीकल, ट्रैक्टर मैकेनिक, फाउंड्रीमैन, स्टेनोग्राफी हिंदी तथा पेंटर जनरल जैसे ट्रेड शामिल हैं।उन्होंने बताया कि इन ट्रेडों में

प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद युवाओं के लिए सरकारी और निजी क्षेत्र में रोजगार के व्यापक अवसर उपलब्ध होते हैं। साथ ही प्रशिक्षित विद्यार्थी अपना स्वयं का व्यवसाय स्थापित कर आत्मनिर्भर भी बन सकते हैं।संस्थान में आधुनिक प्रयोगशालाएं, सुसज्जित कार्यशालाएं, कंप्यूटर लैब, समृद्ध पुस्तकालय, खेल सुविधाएं तथा अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा प्रशिक्षण के दौरान और प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद विद्यार्थियों को प्लेसमेंट, अप्रेंटिसशिप एवं रोजगार संबंधी मार्गदर्शन भी दिया जाता है।प्राचार्य ने बताया कि युवाओं को रोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से समय-समय पर प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा कैंपस इंटरव्यू एवं रोजगार मेलों का आयोजन भी किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों को सीधे रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।उन्होंने कहा कि प्रवेश अभियान के तहत आईटीआई का स्टाफ आसपास के गांवों, स्कूलों और शिक्षण संस्थानों में जाकर जागरूकता कार्यक्रम चला रहा है। इस दौरान विद्यार्थियों और अभिभावकों को तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास, सरकारी योजनाओं तथा रोजगार की संभावनाओं की जानकारी दी जा रही है।प्राचार्य ओमपाल ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी 2 जून से अपने नजदीकी सीएससी सेंटर अथवा आईटीआई नरवाना पहुंचकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल बरगट जट्टान में नि:शुल्क दंत जांच शिविर आयोजित

बाबैन, 30 मई (राजेश कुमार) : विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं दंत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बरगट जट्टान में महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय, मुलाना के एम.एम. कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड रिसर्च के सहयोग से नि:शुल्क दंत जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य रोबिन कुमार तथा उप-प्रधानाचार्या अनीता हांडा ने मुख्य अतिथि डॉ. गरिमा रानी (लेक्चरर), डॉ. श्रुति

बाठे, डॉ. दीपा सिंह एवं उनकी टीम का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। शिविर में विशेषज्ञ दंत चिकित्सकों की टीम ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के दांतों तथा मुख स्वास्थ्य की जांच की। साथ ही बच्चों को दांतों की उचित देखभाल, नियमित ब्रश करने, संतुलित आहार अपनाने तथा दंत रोगों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रोबिन कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों का स्वास्थ्य शिक्षा के समान ही महत्वपूर्ण है तथा इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर बच्चों में जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने कहा कि दांतों की नियमित जांच बच्चों के समग्र स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। विद्यालय के प्रबंधक सोहनलाल सैनी ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास संभव है। उन्होंने बताया कि विद्यालय विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति भी पूर्णत: समर्पित है। इसी उद्देश्य से समय-समय पर ऐसे स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के खान-पान एवं दंत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने का भी आग्रह किया।

शिविर में विद्यालय के शिक्षकगण, स्टाफ सदस्य, बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रशासन ने चिकित्सकों की टीम का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत 78 हजार तक की सब्सिडी

करनाल, 30 मई (मीनाक्षी देवी) : उपायुक्त आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के तहत अधिकतम 78 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा संचालित पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के द्वारा समाज के गरीब वर्ग की ऊर्जा संबंधित जरूरतों को पूरा किया जा सकता है। इस योजना से गरीब परिवारों का ऊर्जा खर्च लगभग खत्म हो जाएगा। अगर खपत से ज्यादा बिजली का उत्पादन सोलर पैनल द्वारा किया जाता है तो वह बिजली के खाते में जाएगा जिसका भुगतान सरकार द्वारा उक्त मकान मालिक को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह योजना गरीब परिवारों के सशक्तिकरण में लाभकारी होगी। योजना के तहत गरीब परिवारों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाएगी,जिससे उनके जीवन स्तर में सुधार होगा और वे आर्थिक रूप से सशक्त बनेंगे। इस योजना से सौर ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे पर्यावरण प्रदूषण कम होगा और स्वच्छ ऊर्जा के स्रोतों को अपनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की सब्सिडी के अलावा हरियाणा के एक लाख गरीब परिवारों को सोलर रूफटॉप सिस्टम लगवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिकतम 50 हजार रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। यह सब्सिडी पहले आओ पहले पाओ के आधार पर दी जाएगी। ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक आय 1.80 लाख रुपये से कम है तथा एक लाख 80 हजार रुपये से लेकर 3 लाख रुपये तक की वार्षिक आय के लाभार्थी व वार्षिक अधिकतम 2400 यूनिट की खपत वाले उपभोक्ता हैं, वे इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। पहले 2 किलोवाट तक 30 हजार रुपये प्रति किलोवाट के हिसाब से 60 हजार रुपये तक सब्सिडी दी जाएगी। अगले एक किलोवाट यानी की 2 से 3 किलोवाट तक रूफ टॉप सिस्टम लगवाने पर 18 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है। इस तरह से अधिकतम 78 हजार रुपये की सब्सिडी दी जा रही है।

अवैध खनन को लेकर 15 वाहनों को किया सीज

जुर्माना एवं खनिज मूल्य के रूप में 4.50 लाख रुपये की राशि का लगाया गया जुर्माना, 2 एफ आई आर दर्ज : डीसी प्रीति

यमुनानगर, 30 मई (दिनेश कुमार) : डीसी प्रीति ने बताया कि जिला प्रशासन व खनन विभाग द्वारा अवैध खनन के विरूद्ध कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार विभाग के महानिदेशक के.एम. पांडुरंग स्वयं खनन विभाग की गतिविधियों पर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अवैध खनन की रोकथाम को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सजग है और अवैध खनन होने वाले स्थानों पर

कड़ी नजर बनाए हुए है। डीसी प्रीति ने बताया कि जिला में अवैध खनन एवं खनिजों के अवैध परिवहन के विरूद्ध प्रशासन द्वारा निरंतर सख्त कार्यवाही की जा रही है, गत सप्ताह में कुल 15 वाहनों को जब्त किया गया जिसमें 5 ट्रेक्टर -ट्राली,10 ट्रक शामिल हैं। विभिन्न मामलों में कुल 4.50 लाख रुपये की राशि का जुर्माना लगाया गया। अवैध खनन के मामलों में 2 एफआईआर दर्ज की गई। प्रशासन द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि अवैध खनन एवं परिवहन के विरूद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। दोषियों के विरूद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

जबलपुर, 30 मई (निस) : विश्व तम्बाकू निषेध दिवस (31 मई) के अवसर पर राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम (एनटीसीपी), जबलपुर द्वारा तम्बाकू के दुष्प्रभावों के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने हेतु विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

डॉ. नवीन कोठारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जबलपुर के मार्गदर्शन एवं डॉ. प्रशांत दुबे, नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, जबलपुर के निर्देशन में 31 मई 2026 को प्रात: 7:30 बजे भंवरताल गार्डन, जबलपुर में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित होगा।

कार्यक्रम में तम्बाकू निषेध शपथ, जागरूकता संदेश, स्वास्थ्य शिक्षा गतिविधियाँ तथा तम्बाकू मुक्त समाज के निर्माण हेतु जनभागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं एवं आम नागरिकों को तम्बाकू एवं निकोटीन उत्पादों के दुष्प्रभावों तथा तम्बाकू नियंत्रण कानूनों के प्रति जागरूक करना है।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस अभियान में सहभागी बनकर तम्बाकू मुक्त जबलपुर एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

फरीदाबाद में तोड़फोड़ की कार्रवाई के बाद दहशत का माहौल

फरीदाबाद, 30 मई (निस) : हरियाणा के फरीदाबाद में एनआईटी -3 की नेहरू कॉलोनी में जारी नगर निगम की अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई के बाद लोगों में भय का माहौल है। इस दौरान कई परिवारों ने अपने घरों से सामान निकालना शुरू कर दिया है। लोगों को आशंका है कि आगे होने वाली तोड़फोड़ में उनके मकान और घरेलू सामान को नुकसान पहुंच सकता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि नगर निगम ने बिना पर्याप्त सूचना के रात करीब दो बजे कार्रवाई शुरू कर दी। उनका आरोप है कि यदि पहले से स्पष्ट जानकारी दी जाती तो वो लोग अपने सामान और परिवार की सुरक्षा के लिए बेहतर तैयारी कर सकते थे। उधर इस कार्रवाई का विरोध करते हुए लोगों ने बीच का रास्ता बताया और कहा कि सरकार को उन्हें बेदखल करने के बजाय नियमितीकरण का रास्ता निकालना चाहिए। शनिवार सुबह धार्मिक स्थलों, मकानों और दुकानों को हटाने की कार्रवाई के बाद नेहरू कॉलोनी के कई हिस्सों में चिंता और अनिश्चितता का माहौल दिखाई दिया। गलियों में लोग अपने घरों से फर्नीचर, घरेलू उपकरण और अन्य जरूरी सामान बाहर निकालते नजर आए। कुछ परिवार सामान को रिश्तेदारों के यहां और किराये के कमरों में पहुंचाने की तैयारी करते दिखे। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के समय अधिकांश परिवार घरों में सो रहे थे। ऐसे में यदि किसी मकान की दीवार अचानक गिर जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। कॉलोनी के निवासियों ने नगर निगम की कार्रवाई पर नाराजगी जताई। उनका कहना है कि वे पिछले 60 सालों से अधिक समय से यहां रह रहे हैं और अब उनकी तीसरी पीढ़ी भी इसी क्षेत्र में निवास कर रही है। कई परिवारों ने अपने जीवनभर की कमाई से यहां मकान बनाए हैं। उनका कहना है कि सरकार को उन्हें बेदखल करने के बजाय नियमितीकरण का रास्ता निकालना चाहिए।

आईएसआई-अंडरवर्ल्ड नेटवर्क का पर्दाफाश

नई दिल्ली, 30 मई (निस) : राजधानी दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियों ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और मुंबई अंडरवर्ल्ड से जुड़े एक बड़े आतंकी नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए 9 आतंकियों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। स्पेशल सेल की इस कार्रवाई को हाल के वर्षों की महत्वपूर्ण आतंकवाद-रोधी सफलताओं में माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी पाकिस्तान स्थित आईएसआई और अंतरराष्ट्रीय अंडरवर्ल्ड नेटवर्क के निर्देश पर काम कर रहे थे। जांच में सामने आया है कि नेटवर्क का एक हिस्सा दाऊद इब्राहिम के इशारों पर सक्रिय था, जबकि दूसरे हिस्से का संचालन पाकिस्तान में बैठे शहजाद भट्टी द्वारा किया जा रहा था। पूरे षड्यंत्र का मास्टरमाइंड आईएसआई को बताया जा रहा है।

पहले से अधिक जागरुक हो गए हैं लोग-तुषार कपूर

अभिनेता तुषार कपूर बॉलीवुड अपने नए प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया, राजनीति और आज की युवा पीढ़ी को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि आज का भारत पहले से ज्यादा जागरूक हो चुका है और सोशल मीडिया ने लोगों को राजनीति और देश के मुद्दों के प्रति काफी सतर्क बनाया है। तुषार कपूर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर दर्शकों के सामने कुछ नया लेकर आने के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह मेरे लिए खास अनुभव है क्योंकि मैं लंबे समय बाद फिर उसी तरह के किरदार और माहौल में लौट रहा हूं। फिल्म का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, लेकिन अभी भी 10 से 15 दिनों की शूटिंग बाकी है। उन्होंने निर्देशक रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ करते हुए कहा, मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे रोहित शेट्टी के साथ कई बार काम करने का मौका मिला। वह देश के सबसे सफल निर्देशकों में गिने जाते है। मैंने उनके साथ चार बार काम किया है और चारों बार फिल्मों को ब्लॉकबस्टर सफलता मिली। अब मुझे उम्मीद है कि पांचवीं बार भी दर्शकों का वैसा ही प्यार मिलेगा। तुषार कपूर ने सोशल मीडिया और राजनीति पर भी खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, पहले

हमारी पीढ़ी राजनीति को इतना करीब से नहीं समझती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब मैं खुद राजनीतिक बहस और न्यूज डिबेट्स को ध्यान से देखता हूं। आज मुझे देश के अलग-अलग राज्यों की राजनीति और वहां की पार्टियों की जानकारी है। सोशल मीडिया और न्यूज प्लेटफॉर्म्स ने ज्यादा जागरूक बना दिया है। भारत में अब लोग राजनीति को गंभीरता से लेने लगे हैं। मतदान प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है क्योंकि लोग अब वोट देने के लिए घरों से बाहर निकल रहे हैं। साल 2014 के बाद देश में राजनीति को लेकर जागरूकता और ज्यादा बढ़ी है। पहले मेरे परिवार में राजनीति पर ज्यादा चर्चा नहीं होती थी, लेकिन अब मेरी मां भी राजनीति को फॉलो करती हैं। तुषार कपूर ने सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले कई ट्रेंड्स और मीम्स पर भी बात की। उन्होंने कहा, कुछ चीजें केवल इंटरनेट पर चलने वाला एक ट्रेंड या फैशन होती हैं, जिन्हें ज्यादा गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। मैं खुद सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हर चीज को फॉलो नहीं करता और ज्यादा ध्यान असली खबरों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर देता हूं।

'है जवानी तो...... के ट्रेलर ने बटोरी सुर्खियां

निर्देशक डेविड धवन की आगामी फैमिली एंटरटेनर फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। ट्रेलर को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है और इसे भरपूर मनोरंजन से भरी फिल्म बताया जा रहा है। कॉमेडी, पारिवारिक ड्रामा और मजेदार उलझनों से सजे इस ट्रेलर ने पुराने बॉलीवुड मसाला मनोरंजन की याद ताजा कर दी है। रिलीज के कुछ ही घंटों में ट्रेलर इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गया। फिल्म को सिर्फ दर्शकों का ही नहीं बल्कि बॉलीवुड सितारों का भी भरपूर समर्थन मिल रहा है। करण जौहर, जाह्नवी कपूर, अर्जुन कपूर, गुरु रंधावा, वीर पहाड़िया, सोफी चौधरी, अहान शेट्टी, मेधा राणा, जिब्रान खान और राज मेहता सहित कई फिल्मी हस्तियों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ट्रेलर साझा करते हुए इसकी तारीफ की है। सितारों की प्रतिक्रियाओं के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है। ट्रेलर में डेविड धवन की पहचान बन चुकी हल्की-फुल्की कॉमेडी, मजेदार संवाद और रंगीन दृश्य लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। लंबे समय बाद दर्शकों को ऐसी फिल्म देखने को मिल रही है, जिसमें सिर्फ मनोरंजन और हंसी का माहौल दिखाई दे रहा है।

मौनी रॉय ने खूबसूरत तस्वीरें साझा कर फ्रेंच रिवेरा को कहा अलविदा-बॉलीवुड अभिनेत्री मौनी रॉय इन दिनों कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपने ग्लैमरस अंदाज को लेकर लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। कान्स में अपने आखिरी दिन मौनी रॉय ने एक बार फिर बेहद खूबसूरत तस्वीरें साझा कर फ्रेंच रिवेरा को अलविदा कहा है। उनके इस नए लुक के साथ-साथ उनकी निजी जिंदगी भी एक बार फिर चर्चा में आ गई है। मौनी रॉय ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई मनमोहक तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वह फ्रांस के सुरम्य तटों पर, समुद्र के सामने बनी एक बालकनी में खड़ी नजर आ रही हैं, जहाँ से नीले पानी का विहंगम दृश्य दिखाई दे रहा है। उन्होंने वाइट और ब्लू कलर की प्रिंटेड लॉन्ग ड्रेस पहनी है, जिसमें फूलों और पैटर्न का आकर्षक मिश्रण है। इस ड्रेस में वह बेहद खूबसूरत और शांत लग रही थीं, मानो प्रकृति की सुंदरता का ही एक हिस्सा हों। तस्वीरों में वह अलग-अलग अंदाज में पोज देती दिखाई दे रही हैं; कहीं वह हल्की मुस्कान के साथ कैमरे की तरफ देख रही हैं तो कहीं समुद्र की ओर देखते हुए प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले रही हैं। अपने पूरे लुक को मौनी ने बेहद सिंपल, लेकिन बेहद स्टाइलिश और क्लासी रखा। उन्होंने अपने बालों का जूड़ा बनाया हुआ था, जिससे उनके चेहरे की खूबसूरती और भी निखर रही थी। इसके साथ उन्होंने ज्यादा गहने नहीं पहने, बल्कि सिर्फ एक बड़ा कड़ा हाथ में पहना हुआ था, जो उनके लुक को एक परिष्कृत स्पर्श दे रहा था। लाइट मेकअप से उनका चेहरा निखर रहा था, जिसने उनकी प्राकृतिक सुंदरता को उभारा। फैंस को उनका यह क्लासी अंदाज काफी पसंद आया और उन्होंने कमेंट्स में खूब तारीफें कीं। कैप्शन में लिखा, मैं अगले साल तक के लिए फ्रेंच रिवेरा और कान्स को अलविदा कह रही हूं। यह कैप्शन उनके कान्स अनुभवों को विदाई देने और अगले साल फिर लौटने की उम्मीद को दर्शाता है।

रफ्तार अब दशहरा वीकेंड पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म रफ्तार को लेकर अभिनेता राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। यह फिल्म जुलाई में रिलीज होने वाली थी, परंतु कतिपय कारणों से इसे टालना पड गया है। अब इसकी नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। अब यह फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को दशहरा वीकेंड पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिससे इसके बड़े बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर दोनों ने बेहद भावुक अंदाज में इसकी जानकारी साझा की, जिसने फैंस का ध्यान तुरंत अपनी ओर खींच लिया। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संयुक्त पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि 'रफ्तार' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बेहद खास सपना है। पोस्ट में फिल्म का नाम बड़े अक्षरों में लिखा गया था और उसके साथ दोनों ने एक लंबा भावनात्मक संदेश भी साझा किया। उन्होंने लिखा कि सपनों को पूरा होने में समय लगता है और उन्हें सही तरीके से दर्शकों के सामने लाने के लिए धैर्य और मेहनत दोनों जरूरी होते हैं। पोस्ट में उन्होंने कहा कि 'रफ्तार' उनके संघर्ष, विश्वास और वर्षों की मेहनत का परिणाम है। इसी वजह से उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाने का फैसला लिया ताकि इसे बेहतर तरीके से तैयार किया जा सके। दोनों कलाकारों ने यह भी कहा कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि उन लोगों की कहानी है जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार संघर्ष करते रहते हैं। उन्होंने आगे लिखा कि फिल्म महत्वाकांक्षा, डर, उम्मीद और जिंदगी में आगे बढ़ने की जिद जैसे भावनात्मक पहलुओं को ईमानदारी से दिखाएगी।

राजकुमार और पत्रलेखा को उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों को प्रेरित करेगी और उनके दिलों को छूने में कामयाब होगी। अपने पोस्ट में दोनों ने फैंस के प्यार और समर्थन के लिए आभार भी जताया। उन्होंने कहा कि दर्शकों का भरोसा ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और अब वे अपनी इस खास फिल्म को दशहरे के शुभ अवसर पर सिनेमाघरों में लाने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने लिखा कि हमारे सपनों की रफ्तार अब पूरी तेजी से आगे बढ़ रही है और जल्द ही दर्शक इसे बड़े पर्दे पर देख पाएंगे। फिल्म 'रफ्तार' में राजकुमार राव के साथ कीर्ति सुरेश, अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण पत्रलेखा ने अपने बैनर काम्पा फिल्म के तहत किया है।

शीशा पर मस्ती भरे अंदाज में डांस करती नजर आई गिल

एक बार फिर पंजाबी फिल्म अभिनेत्री शहनाज गिल अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। शहनाज अक्सर अपने फैंस के साथ जिंदगी के खास पलों की झलक सोशल मीडिया पर साझा करती रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक नया वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह ट्रेंडिंग सॉन्ग 'शीशा' पर मस्ती भरे अंदाज में डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो में शहनाज अपनी टीम के साथ गाने की धुन पर झूमती और थिरकती दिखाई दे रही हैं। उन्होंने गाने के बोल और बीट्स के साथ शानदार तालमेल बैठाया है, जिसे फैंस खूब पसंद कर रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, मेरा दिल मेरा ही है। शहनाज गिल। उनके इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनकी ऊर्जा व अंदाज की तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय हो रहे गाने 'शीशा' को मित्ता रोर और स्वरा वर्मा ने अपनी आवाज दी है। गाने के बोल भी मित्ता रोर ने ही लिखे हैं। यह रोमांटिक ट्रैक युवाओं के बीच खासा लोकप्रिय हो चुका है और सोशल मीडिया रील्स पर लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है। शुरुआत में इस गाने का केवल ऑडियो वर्जन रिलीज किया गया था, लेकिन बाद में इसे एमटीवी के चर्चित रियलिटी शो स्प्लिट्सविला 16 के चर्चित प्रतियोगियों सौरव बेदी और निहारिका तिवारी पर फिल्माया गया। वीडियो रिलीज होने के बाद दोनों की जोड़ी को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया गया। दरअसल, पुणे में आयोजित एक इवेंट के दौरान सौरव बेदी ने इस गाने को खास अंदाज में प्रस्तुत किया था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर कई लोगों को लगा कि गाना उन्होंने ही गाया है। हालांकि बाद में सौरव ने इंस्टाग्राम लाइव के जरिए मित्ता रोर के साथ सामने आकर इस भ्रम को दूर किया और फैंस को सच्चाई बताई। इस गाने का एक राजस्थानी संस्करण भी रिलीज किया गया था, जिसे सोनू कंवर ने अपनी आवाज दी थी। दर्शकों ने उस वर्जन को भी काफी पसंद किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो शहनाज गिल हाल ही में फिल्म इक्क कुड़ी में नजर आई थीं।

जेआरडी टाटा की भूमिका निभाएंगे नसीरुद्दीन शाह

एक नई वेब सीरीज मेड इन इंडिया- ए टाइटन स्टोरी चर्चा में है, जो भारत के सबसे मशहूर और भरोसेमंद ब्रांड्स में से एक टाइटन की प्रेरणादायक कहानी दिखाने जा रही है। इस सीरीज में दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह देश के प्रसिद्ध उद्योगपति जेआरडी टाटा का किरदार निभाते नजर आएंगे। हाल ही में सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया। इस दौरान नसीरुद्दीन शाह ने शो और अपने किरदार को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जेआरडी टाटा की सबसे खास बात उनका शांत आत्मविश्वास था, जिससे वह लोगों को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते थे। मंगलवार को रिलीज हुए ट्रेलर की शुरुआत एक भारतीय घड़ी ब्रांड बनाने के विचार से होती है और धीरे-धीरे एक बड़े और सफल ब्रांड बनने तक पहुंचती है। यह सीरीज लेखक विनय कामथ की चर्चित किताब टाइटन - इंडियाज मोस्ट सक्सेसफुल कंज्यूमर ब्रांड पर आधारित है। सीरीज दिखाती है कि किस तरह एक सपना और उस पर किया गया

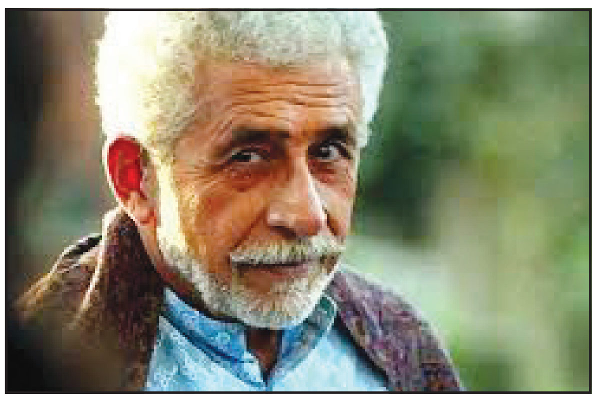

भरोसा इतिहास बदल सकता है। इस सीरीज में जहां नसीरुद्दीन शाह जेआरडी टाटा की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं जिम सर्भ मशहूर बिजनेसमैन जेरक्सेस देसाई के किरदार में नजर आएंगे। इसके अलावा वैभव तत्ववादी, नमिता दुबे, लक्षवीर सरन और कावेरी सेठ भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।नसीरुद्दीन शाह ने सीरीज के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे जेआरडी टाटा का व्यक्तित्व बेहद खास लगा। वह ऐसे इंसान थे जो लोगों की प्रतिभा पहचानते थे और उन्हें आगे बढ़ने का मौका देते थे। आज के समय में ऐसा विश्वास और धैर्य बहुत कम देखने को मिलता है। जेआरडी टाटा लोगों को यह एहसास दिलाते थे कि वे अपनी सोच से कहीं ज्यादा बड़ा कर सकते हैं।

नसीरुद्दीन शाह ने आगे कहा, मेड इन इंडिया- ए टाइटन स्टोरी सिर्फ एक कंपनी या ब्रांड की कहानी नहीं है। यह इंसानी भरोसे, मेहनत और साहस की कहानी है। कई बार लोग किसी नए विचार पर भरोसा करने से डरते हैं, क्योंकि उस समय सफलता दिखाई नहीं देती, लेकिन यह कहानी दिखाती है कि अगर किसी विचार पर विश्वास किया जाए और मेहनत जारी रखी जाए तो वह बड़ी सफलता में बदल सकता है। जेआरडी टाटा का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद संतोष देने वाला अनुभव रहा।

शिवा ट्रिलॉजी जैसी फिल्म का हिस्सा बनना मेरा सपना- त्रिधा चौधरी -बॉलीवुड अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने कहा कि वह भविष्य में बॉलीवुड के ऊर्जावान अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करने की प्रबल इच्छुक हैं। त्रिधा ने आगे कहा कि अगर उन्हें शिवा ट्रिलॉजी जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा, क्योंकि यह उनकी आस्था और अभिनय के प्रति जुनून दोनों को संतुष्ट करेगा। जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी, तो इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब शिवा ट्रिलॉजी पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी। यह सीरीज भगवान शिव की गाथा को आधुनिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत करती है, जिससे यह कलाकारों के लिए एक अनूठा अवसर प्रदान करती है। त्रिधा ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने शिवा ट्रिलॉजी के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। यह खबर सुनकर मैं काफी उत्साहित हूं, क्योंकि यह प्रोजेक्ट उनके नेतृत्व में और भी भव्य और प्रभावशाली बन सकता है। मैं रणवीर सिंह की बहुत बड़ी फैन हूं और उन्हें एक अभिनेता के तौर पर बेहद पसंद करती हूं।

रणवीर जिस तरह अपने हर किरदार में पूरी एनर्जी और शिद्दत डालते हैं, वह मुझे एक कलाकार के तौर पर बेहद प्रेरित करता है। उनके साथ काम करना मेरा एक बड़ा सपना है। उन्होंने आगे कहा, भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि शिवा ट्रिलॉजी से भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और इसकी कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया है।

महिला किसी को खुश करने के लिए नहीं जीती-कंगना रनौत

कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय बच्चन के लुक को लेकर चल रही ट्रोलिंग के बीच मुखर अभिनेत्री कंगना रनौत ने खुलकर ऐश्वर्या का समर्थन किया है। अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कंगना ने ऐश्वर्या की ब्लू कलर के गाउन वाली एक शानदार फोटो पोस्ट की और उन लोगों को कड़ा जवाब दिया, जो ऐश्वर्या के लुक, उनके पहनावे की पसंद और उनकी उम्र को लेकर नकारात्मक टिप्पणियां कर रहे थे। दरअसल, कंगना रनौत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, फैशन और स्टाइल किसी भी इंसान की अपनी अभिव्यक्ति होती है। यह व्यक्ति के आंतरिक व्यक्तित्व, उसकी रचनात्मकता और उसके आत्म-विश्वास का प्रतीक होता है। हर व्यक्ति अपने तरीके से जिंदगी को देखता और समझता है, और अपनी पसंद के अनुसार जीता है। कोई भी महिला किसी को खुश करने या किसी और की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए नहीं जीती और न ही कपड़े पहनती है। कंगना का यह बयान महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें अपनी शर्तों पर जीने की प्रेरणा देता है। कंगना ने ऐश्वर्या की खूबसूरती और आत्मविश्वास की तारीफ करते हुए लिखा, ऐश बेहद खूबसूरत लग रही हैं और अगर कुछ लोग उन्हें किसी दूसरे रूप में देखना चाहते हैं, तो पहले उन्हें खुद को भी देखना चाहिए और अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए।

ऐश्वर्या किसी को खुश करने के लिए रेड कार्पेट पर नहीं आतीं, बल्कि वह अपनी अलग चमक, आत्मविश्वास और गरिमा के साथ वहां मौजूद रहती हैं, जो उनकी दशकों की पहचान है। कंगना ने जोर देकर कहा कि ऐश्वर्या अपने स्टाइल और व्यक्तित्व को अपनी शर्तों पर प्रदर्शित करती हैं। अपने पोस्ट में कंगना ने उम्र को लेकर होने वाली टिप्पणियों पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अगर लोग रेड कार्पेट पर बड़ी उम्र की महिलाओं को देखने के आदी नहीं हैं, तो अब उन्हें इसकी आदत डाल लेनी चाहिए। उम्र सिर्फ एक संख्या है और हर उम्र की महिला को अपने आप को अभिव्यक्त करने का पूरा हक है। यह टिप्पणी समाज में मौजूद उम्रवाद के खिलाफ एक मजबूत आवाज थी, जो अक्सर ग्लैमर इंडस्ट्री में महिलाओं को निशाना बनाता है।

दरअसल, कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में ऐश्वर्या राय बच्चन ने मशहूर डिजाइनर अमित अग्रवाल द्वारा डिजाइन किया गया एक बेहद आकर्षक ब्लू कलर का स्टाइलिश गाउन पहना था। इस गाउन का डिजाइन अंतरिक्ष की गहराइयों से प्रेरित था, जिसमें ब्रह्मांडीय तत्वों की झलक थी। ड्रेस में बेहद बारीक क्रिस्टल एम्ब्रॉयजरी की गई थी और इसे तैयार करने में करीब 1500 घंटे का अविश्वसनीय समय लगा था, जो इसकी कलात्मकता और मेहनत को दर्शाता है। ऐश्वर्या का यह लुक सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने उनकी अद्वितीय खूबसूरती और आत्मविश्वास की तारीफ की, तो वहीं कुछ लोगों ने उनके लुक और उम्र को लेकर अनुचित आलोचना भी की, जिसका कंगना ने करारा जवाब दिया।

माशूका' गाना सोशल मीडिया पर तेजी से कर रहा ट्रेंड

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म कॉकटेल 2 का नया गाना माशूका रिलीज होते ही लोकप्रिय हो गया है। यह गाना सोशल मीडिया और म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से ट्रेंड कर रहा है। गाने की सबसे बड़ी खासियत बॉलीवुड और इटालियन संगीत का बेहद खूबसूरत मेल है। रोमांस, मस्ती और शानदार म्यूजिक से भरपूर यह गाना लोगों को खूब पसंद आ रहा है। 'माशूका' के जरिए पहली बार मशहूर संगीतकार प्रीतम ने इटालियन कलाकार महमूद के साथ काम किया है। इस अंतरराष्ट्रीय सहयोग ने गाने को नई ऊंचाई दी है। गाने में भारतीय संगीत की धुनों के साथ इटालियन म्यूजिक का स्पर्श इसे बेहद खास बनाता है। इसकी मधुर धुनें और खूबसूरत लोकेशन्स दर्शकों को किसी रोमांटिक यूरोपीय सफर का एहसास कराती हैं। गाने में अपनी आवाज राघव चैतन्य ने दी है, जबकि महमूद ने इटालियन हिस्सों को न सिर्फ गाया, बल्कि उसके लेखन और संगीत निर्माण में भी अहम भूमिका निभाई है। इस फ्यूजन ने गाने को ग्लोबल अपील दी है और यही वजह है कि यह अलग-अलग देशों के दर्शकों के बीच भी लोकप्रिय हो रहा है। प्रीतम ने इस सहयोग को खास बताते हुए कहा कि सही कलाकार किसी भी गाने के एहसास को पूरी तरह बदल सकता है। उनके मुताबिक, गाने की शूटिंग इटली के सिसिली इलाके में हुई है और ऐसे में किसी इटालियन कलाकार का जुड़ना बेहद जरूरी था, ताकि वहां की संस्कृति और माहौल को संगीत में उतारा जा सके। उन्होंने कहा कि महमूद की आवाज और गाने का अंदाज इस ट्रैक को नई पहचान देता है।

वहीं महमूद ने भी बॉलीवुड के साथ अपने पहले अनुभव को बेहद यादगार बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा से बॉलीवुड फिल्मों और यहां के संगीत से लगाव रहा है। उनके अनुसार बॉलीवुड में संगीत, भावनाएं और कहानी मिलकर एक अलग ही जादुई दुनिया तैयार करते हैं। उन्होंने प्रीतम के साथ काम करने को सपने जैसा अनुभव बताया। गाने के वीडियो में शाहिद कपूर और कृति सेनन की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिल रही है। दोनों बेहद स्टाइलिश और रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। वहीं रश्मिका मंदाना भी फिल्म में अहम भूमिका निभाती दिखाई देंगी। इटली के खूबसूरत लोकेशन्स और भव्य सेट्स ने वीडियो को और ज्यादा आकर्षक बना दिया है।

'ऑफिस ऑफिस' में नजर आएगी श्रुति

लोकप्रिय कॉमेडी टीवी शो 'ऑफिस ऑफिस' करीब 22 साल बाद एक बार फिर नए सीज़न के साथ दर्शकों के बीच लौटने जा रहा है। शो के दूसरे सीज़न को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। इस बार अभिनेत्री श्रुति शर्मा शो में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। निर्माताओं को उम्मीद है कि पुराने अंदाज के व्यंग्य और हास्य से भरपूर यह शो एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने में सफल रहेगा। श्रुति शर्मा ने शो से जुड़ने को अपने लिए बेहद खास और भावुक अनुभव बताया है। उन्होंने कहा कि 'ऑफिस ऑफिस' उनके बचपन का पसंदीदा शो रहा है। स्कूल से लौटने के बाद वह अपनी मां के साथ यह कार्यक्रम देखा करती थीं और आज भी उन्हें इसके कई किरदार और संवाद याद हैं। उन्होंने कहा कि जिस शो को देखकर वह बड़ी हुईं, उसी का हिस्सा बनना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। अभिनेत्री ने बताया कि शूटिंग शुरू होते ही उन्हें पुरानी यादें ताजा हो गईं और पूरा माहौल बेहद भावुक कर देने वाला लगा।

श्रुति शर्मा ने उम्मीद जताई कि दर्शक नए सीज़न को भी पहले की तरह प्यार देंगे। उन्होंने कहा कि जैसे पुराने कलाकार और किरदार लोगों के दिलों में बस गए थे, वैसे ही वह भी इस शो के जरिए दर्शकों से खास जुड़ाव बनाना चाहती हैं।

इंटीग्रेटेड स्पाइन और ट्रॉमा केयर-इमरजेंसी ट्रीटमेंट से लेकर पूरी रिकवरी तक एक्सपर्ट्स ने जल्दी डायग्नोसिस, मॉडर्न ट्रीटमेंट और रिहैबिलिटेशन के महत्व पर ज़ोर दिया

अमृतसर, 30 मई, (मधु राजपूत) – सुस्त लाइफस्टाइल, सड़क दुर्घटनाओं और बुढ़ापे की वजह से स्पाइनल डिसऑर्डर और ट्रॉमा (गंभीर चोटें) के बढ़ते मामलों के बीच, अमनदीप और उजाला सिग्नस ग्रुप ऑफ़ हॉस्पिटल्स के ॥ह्ष्ठ और चीफ ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. अवतार सिंह और अमनदीप हॉस्पिटल की कंसल्टेंट न्यूरो और स्पाइन सर्जन डॉ. ऐश्वर्या मेहरा ने आज मरीज़ के लिए बेहतर नतीजे पक्का करने के लिए जल्दी दखल, सबूतों पर आधारित ट्रीटमेंट और प्लान्ड रिहैबिलिटेशन के महत्व पर ज़ोर दिया। इंटीग्रेटेड स्पाइन और ट्रॉमा केयर के बदलते तरीके पर चर्चा करते हुए, एक्सपर्ट्स ने ज़ोर दिया कि हालांकि पीठ दर्द एक आम समस्या है और ज़्यादातर मामलों में अपने आप ठीक हो जाती है, लेकिन कुछ चेतावनी के संकेत हैं जिन पर तुरंत मेडिकल ध्यान देने की ज़रूरत होती है। डॉ. अवतार सिंह के अनुसार, ट्रॉमा एक्सपर्ट्स की रिपोर्ट है कि सड़क दुर्घटनाएं और गिरना फ्रैक्चर और स्पाइनल कॉर्ड की चोटों के मुख्य कारण बने हुए हैं। ट्रॉमा के मामलों में, खासकर स्पाइनल कॉर्ड की चोटों में, पहले कुछ घंटे बहुत ज़रूरी होते हैं। जल्दी स्टेबिलाइज़ेशन और समय पर इमेजिंग टेस्ट कॉम्प्लीकेशंस और लंबे समय तक चलने वाली डिसेबिलिटी को रोकने में ज़रूरी भूमिका निभाते हैं। डॉ. ऐश्वर्या मेहरा के अनुसार, लंबे समय तक बैठे रहने वाले काम, खराब पोस्चर और बढ़ती उम्र के कारण आजकल स्पाइनल डिसऑर्डर आम हो गए हैं। ज़्यादातर पीठ दर्द आराम और फिजियोथेरेपी से ठीक हो जाता है, लेकिन कुछ मामलों में स्ट्रक्चरल प्रॉब्लम होती हैं, जिनके लिए मेडिकल जांच की ज़रूरत होती है। इसी तरह, अगर दर्द कुछ हफ़्तों से ज़्यादा रहता है, हाथों या पैरों में कमज़ोरी या सुन्नपन है, ब्लैडर या बाउल पर कंट्रोल नहीं रहता है, और चोट के बाद बहुत ज़्यादा दर्द होता है, तो मेडिकल सलाह लेनी चाहिए। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जल्दी ठीक होने से नर्व कम्प्रेशन या अस्थिरता को बढ़ने से रोका जा सकता है और लंबे समय तक चलने-फिरने और जीवन की क्वालिटी पर अच्छा असर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि इलाज के तरीके हर मरीज़ की हालत के हिसाब से बनाए जाते हैं। कई मरीज़ों को कंज़र्वेटिव इलाज से फ़ायदा होता है, जिसमें दवाएँ, लाइफस्टाइल में बदलाव और फिजियोथेरेपी शामिल हैं। सर्जरी की सलाह तभी दी जाती है जब मेडिकली ज़रूरी हो।ट्रॉमा केयर में स्टेबिलिटी, चाहे नॉन-सर्जिकल हो या सर्जिकल, फ्रैक्चर की गंभीरता और मरीज़ की हालत पर निर्भर करती है। सर्जिकल टेक्नीक में तरक्की से सही मामलों में ज़्यादा सटीक फिक्सेशन और तेज़ी से मोबिलाइज़ेशन मुमकिन हुआ है। एक्सपर्ट्स ने स्पाइन और ट्रॉमा केयर में मिनिमली इनवेसिव प्रोसीजर के बढ़ते इस्तेमाल पर भी बात की। इन टेक्नीक में असर वाली जगह तक पहुंचने के लिए छोटे चीरे और खास इंस्ट्रूमेंट्स का इस्तेमाल होता है, जिससे आस-पास की मसल्स और टिशूज़ को कम से कम नुकसान होता है। मिनिमली इनवेसिव टेक्नीक से ट्रेडिशनल ओपन सर्जरी के मुकाबले ये फायदे मिल सकते हैं, जैसे मसल्स को कम नुकसान, कम ब्लीडिंग, कुछ खास मामलों में हॉस्पिटल में कम समय तक भर्ती रहना, और शुरुआती स्टेज में तुलनात्मक रूप से तेज़ी से मोबिलाइज़ेशन।

हालांकि, एक्सपर्ट्स ने साफ किया कि सभी मरीज़ इन प्रोसीजर के लिए सही नहीं होते हैं और इलाज का चुनाव हमेशा मेडिकल सूटेबिलिटी पर आधारित होता है। इस मौके पर, दोनों सर्जनों ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सर्जरी या फिक्सेशन इलाज का सिर्फ़ एक हिस्सा है।

पंजाब निकाय चुनाव में ऐतिहासिक जीत पर नरवाना में आप कार्यकर्ताओं ने बांटी मिठाई, जताई खुशी

नरवाना, 30 मई (नरेन्द्र कुमार) : पंजाब निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार और एकतरफा जीत की खुशी में शनिवार को नरवाना में जिला अध्यक्ष दिलबाग सिंह के निवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटकर जश्न मनाया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने इसे पंजाब की आम जनता की जीत बताते हुए पार्टी नेतृत्व और सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों की सफलता का परिणाम बताया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष दिलबाग सिंह ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में राज्य में विकास और जनहित के अनेक कार्य किए गए हैं, जिनका सकारात्मक प्रभाव जनता के बीच देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, 18 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं को आर्थिक सहायता, हर परिवार को 300 यूनिट मुफ्त बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में किए गए सुधारों ने लोगों का विश्वास आम आदमी पार्टी में और मजबूत किया है।उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्कूलों और अस्पतालों का निर्माण किया है। शिक्षकों को विदेशों में प्रशिक्षण दिलाकर शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा रहा है ताकि विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक आधारित शिक्षा उपलब्ध हो सके। दिलबाग सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की सोच और विकास मॉडल पर चलते हुए आम आदमी पार्टी ने निकाय चुनाव में आधे से अधिक सीटों पर विजय प्राप्त कर विपक्षी दलों को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनावों में भी आम आदमी पार्टी 100 से अधिक सीटें जीतकर दोबारा सरकार बनाएगी। इस अवसर पर हलका अध्यक्ष सुरेंद्र चहल, मास्टर मेवा सिंह, एडवोकेट अमन, नरेंद्र नैन, अजीत सूरजखेड़ा, ओम दत्त शर्मा, राधेश्याम गुप्ता, गुरमेल धमतान, कपिल धमतान, सरदार मक्खन सिंह, सरदार हरपाल सिंह, बलवंत हाथो सहित बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एनआई एक्ट पर आयोजित विशेष लोक अदालत में 46 मामलों का किया निपटारा

कुरुक्षेत्र, 30 मई (सुदेश कुमार) : जिला एवं सत्र न्यायाधीश, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चेयरमैन दिनेश कुमार मित्तल ने कहा कि जिला कोर्ट परिसर, उपमंडल शाहाबाद व उपमंडल पिहोवा में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस विशेष लोक अदालत में चैक से संबंधित (एनआई एक्ट) श्रेणी के 46 मामलों का निपटारा किया जाएगा। दोनों पक्षों की सहमति से 46 मामलों को 19 लाख 78 हजार 111 रुपए में निपटारा हुआ। उन्होंने कहा कि इस विशेष लोक अदालतों में अनिल कुमार, गिर्राज सिंह, पल्लवी ओझा, अनीता रानी, कपिल, भरत, राधिका की कोर्ट ने लगभग 150 मामलों को सुना और 46 केसों का निपटारा भी किया। उन्होंने बताया कि इसी विषय पर 18 जुलाई को भी चैक से संबंधित (एनआई एक्ट) श्रेणी के मामलों का निपटारा करने के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो नागरिक का चैक से संबंधित मुकदमे को दूसरे पक्ष के साथ समझौते के माध्यम से लोक अदालत द्वारा निपटाना चाहते हैं और आज किसी कारण से कोई में नहीं पहुंच पाया। ऐसे ही जिन नागरिकों का चैक से संबंधित मुकदमा जिस न्यायालय में लंबित हो, उसी न्यायालय में 17 मई तक किसी भी कार्य दिवस में जाकर अपने मामले पर विचार करवा सकते हैं, जिसका निस्तारण 18 मई को आपसी समझौते के आधार पर किया जाएगा। नागरिक किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यालय में जाकर संपर्क कर सकते हैं।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्श आज भी प्रासंगिक : श्याम सिंह राणा

301वीं जयंती समारोह में मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

यमुनानगर, 30 मई (दिनेश कुमार) : लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 301वीं जयंती शनिवार को अर्जुन नगर स्थित पाल धर्मशाला में जिलास्तरीय स्तर पर श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय पाल गडरिया महासभा हरियाणा की ओर से किया गया। समारोह में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) के सदस्य राजिंद्र धीमान, अखिल भारतीय पाल गडरिया महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नर सिंह पाल और ज्ञानचंद पडवार अति विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महासभा के जिलाध्यक्ष राकेश पाल ने की। उन्होंने मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए समाज की गतिविधियों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। समारोह में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन, समाज सेवा, जनकल्याण और सुशासन में उनके योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि पहली बार समाज के उन मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर समाज और जिले का नाम रोशन किया। विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं सम्मान पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। मुख्य अतिथि श्याम सिंह राणा ने अपने संबोधन में कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने समाज सेवा, जनकल्याण और सुशासन की ऐसी मिसाल पेश की, जो सदियों बाद भी लोगों को प्रेरित कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज को उनके आदर्शों पर चलकर शिक्षा, संगठन और सेवा के क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने पाल धर्मशाला में लाइब्रेरी स्थापित करने के लिए ग्रांट देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों और युवाओं को अध्ययन की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद मिलेगी। देवी अहिल्याबाई ने अपने शासनकाल में जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। जिलाध्यक्ष राकेश पाल ने कहा कि समाज को शिक्षा और संगठन के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर नई ऊंचाइयों को छूने का आह्वान किया। कार्यक्रम में इंद्री नगरपालिका के चेयरमैन राकेश गूड़ा, ब्लॉक समिति जगाधरी के चेयरमैन ओमवीर, सचिन पाल नाहरपुर, मास्टर रामेश्वर, नरेश बापा, मुकेश सरस्वतीनगर, अशोक कुमार खिलांवाला, जिला उपाध्यक्ष राजिंद्र पाल समेत बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति और समाज के लोग उपस्थित रहे। समारोह का समापन समाज के उत्थान और शिक्षा को बढ़ावा देने के संकल्प के साथ हुआ।

विशेष लोक अदालत में 102 मामलों का हुआ निपटारा, 2.02 करोड़ रुपये से अधिक राशि के चेक बाउंस मामलों का समझौते से समाधान

कैथल, 30 मई (सुरेंद्र कुमार): हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल की अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश कंचन माही के मार्गदर्शन में शनिवार को न्यायिक परिसर कैथल में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें कुल 3150 लंबित मामलों को सुनवाई के लिए रखा गया था, जिनमें से 102 मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी श्री कंवल कुमार ने बताया कि परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 (नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट) की धारा 138 के अंतर्गत लंबित चेक बाउंस मामलों में कुल 2 करोड़ 2 लाख 43 हजार 593 रुपये की राशि से संबंधित मामलों का आपसी समझौते के आधार पर सौहार्दपूर्ण ढंग से समाधान कराया गया। उन्होंने कहा कि विशेष लोक अदालत का उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी समझौते एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्वरित निपटारा करना रहा। यह न्याय प्राप्ति का एक प्रभावी और सरल माध्यम है, जिसके जरिए पक्षकारों के बीच आपसी सौहार्द बना रहता है तथा विवादों का शीघ्र निपटारा संभव हो पाता है। इसके अलावा लोक अदालत में हुए निर्णय के विरुद्ध अपील का कोई प्रावधान नहीं होता और नियमानुसार न्यायालय शुल्क भी वापस कर दिया जाता है। उन्होंने बताया कि इस विशेष लोक अदालत के लिए अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नंदिता कौशिक, सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) संदीप कौर, सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन), कैथल जसमीन कौर, अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) अक्षय चौधरी तथा अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (जूनियर डिवीजन) उपमंडलीय न्यायालय गुहला राजविंदर सिंह के बेंच गठित किए गए थे। उन्होंने आमजन से अधिक से अधिक संख्या में लोक अदालतों का लाभ उठाने और आपसी सहमति से विवादों के समाधान की इस व्यवस्था को अपनाने का आह्वान किया।

तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों पर प्रकाश डाला गया, सेहत प्रति जागरुक रहने का संदेश

अमृतसर 30 मई (मधु राजपूत) विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर, मैक्स अस्पताल ने तंबाकू सेवन के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई और जानलेवा बीमारियों, विशेष रूप से कैंसर से बचाव के लिए इसे छोड़ने के महत्व पर बल दिया।मैक्स की ऑन्कोलॉजी सलाहकार डॉ आकांक्षा ने कहा, तंबाकू का सेवन, चाहे धूम्रपान के माध्यम से हो या धूम्रपान रहित माध्यमों से , कैंसर और हृदय रोग एवं फेफड़ों के विकारों सहित अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के प्रमुख कारणों में से एक है। व्यापक जागरूकता के बावजूद इसका उपयोग एक गंभीर जन स्वास्थ्य चिंता का विषय बना हुआ है।उन्होंने आगे कहा, तंबाकू कई प्रकार के कैंसर,जिनमें मुंह, फेफड़े और गले का कैंसर शामिल है, के लिए सबसे बड़े जोखिम कारकों में से एक है। अच्छी खबर यह है कि किसी भी अवस्था में तंबाकू छोड़ने से इन जोखिमों को काफी हद तक कम किया जा सकता है। जागरूकता, प्रारंभिक जांच और समय पर हस्तक्षेप जीवन बचा सकते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि तंबाकू से जुड़े कैंसर के कई मामलों को रोका जा सकता है।

तूफान मे सत्संग भवन का शैड उड़कर गली मे गिरा, बड़ा नुकसान

कई मकानों को पहुंचा नुकसान, बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त, बाल-बाल बचे लोग।

तरावड़ी, 30 मई (छाया शर्मा) : शनिवार को आए तेज तूफान ने कई जगहों पर नुक्सान पहुंचाया। नगर खेड़े के पास शिव शक्ति सत्संग भवन की रसोई के ऊपर लगा टीन की चादरों का बड़ा शेड तेज हवाओं के साथ उखड़ गया और कई मकानों की छतों को पार करता हुआ लाइब्रेरी के पीछे स्थित गली में जा गिरा। हादसे के दौरान इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए घरों के अंदर भाग गए। गनीमत यह रही कि घटना के समय शेड की चपेट में कोई व्यक्ति नहीं आया, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार उड़ता हुआ शेड अपने रास्ते में आने वाली कई संरचनाओं से टकराया।

इसकी चपेट में आने से दो बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि एक ट्रांसफार्मर और कई बिजली की तारें भी टूट गईं। इसके अलावा दो मकानों की छतों पर लगी डिश एंटेना टूट गईं और एक घर का मुख्य दरवाजा भी क्षतिग्रस्त हो गया। शेड गिरने से गली में खड़े कई दोपहिया और चारपहिया वाहनों को भी नुकसान पहुंचा। स्थानीय लोगों ने बताया कि तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घबरा गए और सुरक्षित स्थानों की ओर दौड़ पड़े। घटना के बाद क्षेत्र में काफी देर तक दहशत का माहौल बना रहा। स्थानीय निवासियों का कहना है कि शेड का आकार काफी बड़ा था और जिस तरह वह हवा में उड़ता हुआ मकानों के ऊपर से गुजरा, उसे देखकर हर कोई सहम गया। बिजली के खंभे और तारें टूटने के कारण इलाके की बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। सूचना मिलने के बाद बिजली विभाग और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं और नुकसान का आकलन शुरू किया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि क्षतिग्रस्त बिजली व्यवस्था को जल्द बहाल किया जाए और नुकसान झेलने वाले परिवारों को उचित सहायता दी जाए।

सावन कृपाल रूहानी मिशन करनाल शाखा ने लगाई ठंडे मीठे पानी की छबील

करनाल, 30 मई (सोनी दुआ) : सावन कृपाल रूहानी मिशन की ओर से संत राजिंदर सिंह जी मार्ग स्थित कृपाल आश्रम के बाहर दयाल पुरुष संत दर्शन सिंह जी महाराज के 37वें बरसी भंडारे के अवसर पर लोगो की सेवा में ठंडे व मीठे पानी की छबील लगाई गई। उल्लेखनीय पानी का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है और गर्मी के इस मौसम में इसकी ज़रूरत और ज़्यादा बढ़ जाती है क्योंकि तेज धूप और लू हमारे शरीर से सारी ऊर्जा को छीन लेती है। ऐसे में केवल पानी ही हमारे शरीर को जरूरी ऊर्जा प्रदान करता है। इसलिए कहा जाता है कि जल ही जीवन है। पानी की इसी उपयोगिता को ध्यान में रखते हुए सावन कृपाल रूहानी मिशन की करनाल शाखा ने कृपाल आश्रम में लोगां की सेवा में ठंडे और मीठे पानी की छबील लगाई, जिससे सैकड़ों लोगों ने पानी पीकर गर्मी से राहत महसूस की। इसके अलावा मिशन द्वारा पूरे भारतवर्ष के अनेक राज्यों में प्रमुख स्थानों पर और दिल्ली में 115 मुख्य जगहों पर भी ठंडे व मीठे पानी की छबीलें लगाई गईं। संत दर्शन सिंह जी महाराज ने हजूर बाबा सावन सिंह जी महाराज और परम संत कृपाल सिंह जी महाराज के नाम पर कृपाल रूहानी मिशन की स्थापना सन् 1974 में की। संत दर्शन सिंह जी महाराज ने संत-मत की पुरातन तालीम को एक सरल और सहज तरीके से पेश कर लाखों लोगों को पिता-परमेश्वर का अनुभव कराया।

31 मई की तय समय सीमा से पहले पूरा हुआ घर-घर गणना कार्य : डीसी प्रीति

यमुनानगर, 30 मई (दिनेश कुमार) : उपायुक्त प्रीति ने बताया कि जिले में घर-घर गणना (हाउस लिस्टिंग) का कार्य निर्धारित 31 मई की समय सीमा से पहले सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस उपलब्धि के लिए जिले के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं फील्ड टीमों ने समर्पित भाव से कार्य किया। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 2237 हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों में विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें 2237 प्रगणकों तथा 375 प्रवेक्षकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक टीमों ने घर-घर जाकर आवश्यक जानकारी एकत्रित की। डीसी प्रीति ने कहा कि सुनियोजित रणनीति, प्रभावी समन्वय एवं लगातार मॉनिटरिंग के कारण यह महत्वपूर्ण कार्य निर्धारित समय से पहले पूरा करना संभव हो पाया। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मेहनत और प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि जनगणना देश की विकास योजनाओं की मजबूत नींव है। इसके माध्यम से प्राप्त आंकड़े भविष्य की नीतियों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिले की यह उपलब्धि पूरे यमुनानगर के लिए गर्व का विषय है।

डीएवी महिला महाविद्यालय में योग क्लब द्वारा योग प्रतियोगिता का आयोजन

करनाल, 30 मई (प्रवीन) : हरियाणा योग आयोग एवं जिला आयुर्वेद अधिकारी के निर्देशानुसार कुमारी विद्यावती आनंद डी.ए.वी. महिला महाविद्यालय में योग क्लब द्वारा महाविद्यालय स्तर पर योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्या मीनू शर्मा के मार्गदर्शन में यह आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा कृतिका ने प्रथम, बी.एस .सी. तृतीय वर्ष की छात्रा जानवी ने द्वितीय तथा बी.ए. प्रथम वर्ष की छात्रा खुशी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर योग के शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक लाभों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में योग क्लब की संयोजिका एवं डॉ.अनुराधा नागिया, हरबीन्द्र और ज्योति का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

आधार क्यूआर से तेज होगी जमानत पर कैदियों की रिहाई दिल्ली हाई कोर्ट ने दिया बड़ा आदेश

नई दिल्ली 30 मई (निस) दिल्ली हाई कोर्ट ने जमानत पर रिहा होने वाले कैदियों की जल्द रिहाई के लिए बड़ा कदम उठाया है। अब राजधानी की सभी जेलों में जमानतदारों के सत्यापन के लिए आधार क्यूआर कोड वेरिफिकेशन एप्लीकेशन का उपयोग अनिवार्य होगा। यह आदेश जमानत मिलने के बावजूद कैदियों की रिहाई में होने वाली 50 दिनों तक की देरी को खत्म करेगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने जमानत पाने वाले कैदियों की जल्द रिहाई के लिए बड़ा कदम उठाया है। हाल ही में कोर्ट ने राजधानी के सभी जेल सुपरिटेंडेंट को जमानत पाने वाले कैदियों की रिहाई में तेजी लाने के लिए आधार क्यूआर कोड वेरिफ़िकेशन एप्लीकेशन का इस्तेमाल करने का आदेश दिया है।जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और अमित महाजन की एक डिवीजन बेंच ने 22 मई को यह आदेश दिया। कोर्ट ने दोषियों और अंडरट्रायल कैदियों को ज़मानत मिलने के बाद रिहा करने में बार-बार होने वाली देरी, कभी-कभी 50 दिनों से भी ज़्यादा की देरी को देखते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने यह भी कहा कि जमानतदारों की पहचान और क्रेडेंशियल्स को वेरिफ़ाई करने में बहुत समय लगता है। जमानतदार तीसरा पक्ष होता है। आमतौर पर कोई दोस्त या रिश्तेदार, जो कोर्ट को गारंटी देता है कि आरोपी सभी तय सुनवाई में पेश होगा।इसलिए देरी से बचने के लिए कोर्ट ने आधार बेस्ड वेरिफ़िकेशन ऐप्स के इस्तेमाल का सुझाव दिया। हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि आगे से जमानत आदेशों के संबंध में जमानतदारों के सत्यापन और औपचारिकताओं को पूरा करने में तेज़ी लाने के लिए, दिल्ली भर के सभी जेल अधीक्षक ये कदम उठाएंगे।

गैर-विषय शिक्षकों ने जांचीं कॉपी, छात्रों से सोशल मीडिया पर सकारात्मक पोस्ट लिखवाने का दबाव

नई दिल्ली 30 मई (निस) केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की आॅन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर उठे विवाद के बीच अब सवाल केवल धुंधली स्कैन कॉपियों, गलत मूल्यांकन और तकनीकी गड़बड़ियों तक सीमित नहीं रह गया है। बोर्ड पर आरोप लग रहा है कि वह सोशल मीडिया पर छात्रों से ओएसएम की पूरी मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर बोर्ड के समर्थन में पोस्ट करवाने के लिए कहलवा रहा है। साथ-साथ मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर भी नए-नए दावे सामने आ रहे हैं। कुछ परीक्षकों का आरोप है कि समय सीमा में मूल्यांकन पूरा करने के दबाव में विषय विशेषज्ञता तक से समझौता किया गया। विवाद की शुरुआत एक रेड्डिट पोस्ट से हुई, जिसमें एक छात्र ने दावा किया कि स्कूल के शिक्षक छात्रों से इंस्टाग्राम पर पोस्ट और स्टोरी डालने के लिए कह रहे हैं। छात्र के अनुसार, उनसे यह लिखने को कहा जा रहा है कि उन्हें बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक मिले और ओएसएम मूल्यांकन से कोई समस्या नहीं हुई। ऋपोस्ट तेजी से प्रसारित होने के बाद सोशल मीडिया पर यह बहस तेज हो गई कि क्या बढ़ते विवाद के बीच सकारात्मक नैरेटिव तैयार करने की कोशिश की जा रही है। छात्र ने यह भी दावा किया कि परीक्षा पास करने के बाद भी वह मानसिक रूप से आहत महसूस कर रहे हैं। इसी बीच, जयपुर के एक पीएम श्री स्कूल द्वारा इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर साझा किया गया एक वीडियो भी चर्चा में आ गया। वीडियो में एक छात्र सीबीएसई की ओएसएम प्रणाली की तारीफ करता दिखाई दे रहा है और डिजिटल मूल्यांकन के सकारात्मक अनुभव साझा कर रहा है। कुछ शिक्षकों ने यह भी दावा किया कि मूल्यांकन पूरा करने के लिए सख्त समय सीमा तय की गई थी। कई मामलों में 12 मई की रात तक लक्ष्य पूरा करने का दबाव था ताकि 13 मई को परिणाम समय पर जारी किए जा सकें। शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बोर्ड परीक्षाओं में विषय विशेषज्ञता से समझौता हुआ है, तो यह केवल तकनीकी गड़बड़ी नहीं बल्कि पूरी मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल है।

दिल्ली पुलिस के दामन पर फिर दाग

नई दिल्ली 30 मई (निस) दिल्ली पुलिस के दामन पर दाग लगने का सिलसिला थम नहीं रहा है। अब पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त के पीए (निजी सहायक) रहे प्रदीप कुमार रांगी ने दिल्ली पुलिस को शर्मसार किया है। रांगी पर गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई की ओर से पांच करोड़ की मांगी गई रंगदारी के मामले को दो करोड़ में सैटल कराने का गंभीर आरोप है। फिलहाल एसआई की संदिग्ध भूमिका सामने आने के बाद एसआई प्रदीप को निलंबित कर दिया गया है। साथ ही विभागीय जांच के आदेश दे दिए गए हैं। दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार एसआई प्रदीप कुमार पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त डीएस भास्कर के पीए रहे हैं। वह उस समय से उनके साथ है जब वह एसीपी, सुल्तानपुरी थे। प्रदीप की तैनाती से दिल्ली पुलिस के बाहरी-उत्तरी जिले में है, मगर एसआई को पुलिस उपायुक्त के साथ अटैच कर पश्चिमी जिले में भेजा हुआ था। हरियाणा की बहागुर गढ़ थाना पुलिस से मिली सूचना के अनुसार एक्कालाइट इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर व पंजाबी बाग निवासी देवेंद्र कुमार से गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई से पांच करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी गई थी। रकम न देने पर पीड़ित और उसके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। पीड़ित को यह धमकी 16 अप्रैल को हरियाणा के कसार गांव में स्थित उनकी फैक्ट्री में +44 कोड वाले एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से मिली थी।

राजेंद्र नगर इलाके में घर के अंदर ननद-भाभी के शव मिले

नई दिल्ली 30 मई (संजय बंसल) राजधानी दिल्ली के न्यू राजेद्र नगर इलाके में गुरुवार सुबह एक घर के कमरे में ननद और भाभी का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जांच के दौरान दोनों महिलाएं मृत मिलीं। घटना की जानकारी घर में काम करने वाली हाउस हेल्पर ने दी थी। दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में घर में जबरन घुसने, तोड़फोड़ या किसी तरह की गड़बड़ी के निशान नहीं मिले हैं। पुलिस बीएनएसएस की धारा 194 के तहत जांच कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, गर्मी के कारण मौत की आशंका भी जताई जा रही है। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह साफ हो सकेगी। डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि गुरुवार सुबह करीब 10-30 बजे न्यू राजेंद्र नगर के एक मकान से बदबू आने की सूचना मिली थी। यह जानकारी मकान के बरामदे की सफाई करने वाली नौकरानी ने दी। उसने बताया कि घर के सभी दरवाजे बंद थे और अंदर से तेज बदबू आ रही थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। वहां चंद्रकांता (80) और सरोज बाला (80) एक कमरे में मृत मिलीं। एक महिला बिस्तर पर लेटी हुई थी, जबकि दूसरी फर्श पर पड़ी थी। कमरे से तेज बदबू आ रही थी।

शहर के वूशु खिलाड़ियों का डोंगरगढ़ में दबदबा, नेहरू नगर व 27 खोली के खिलाड़ियों ने राज्य में मनवाया लोहा

बिलासपुर 30 मई (निस) डोंगरगढ़ में आयोजित 17वीं राज्य स्तरीय वूशु प्रतियोगिता में बिलासपुर जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल स्टेट चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। 20 से 24 मई तक आयोजित इस प्रतियोगिता में जिले के जूनियर और सीनियर खिलाड़ियों ने दमदार खेल दिखाते हुए कुल 18 मेडल जीतकर इतिहास रच दिया।खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले में खुशी का माहौल है।प्रतियोगिता में शहर के खिलाड़ियों ने 16 गोल्ड और 2 सिल्वर मेडल हासिल किए। ताउलु ग्रुप में खिलाड़ियों का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। खास बात यह रही कि सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत और अनुशासन के दम पर यह मुकाम हासिल किया। संसाधन कम, लेकिन हौसले बुलंद जिला वूशु संघ के पदाधिकारियों के अनुसार शासकीय नेहरू नगर और 27 खोली क्षेत्र में खिलाड़ी बिना आधुनिक सुविधाओं के नियमित अभ्यास करते हैं। सुबह-सुबह कठिन प्रशिक्षण और कोचों के मार्गदर्शन में इन बच्चों ने राज्य स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित की है। संघ का कहना है कि यदि खिलाड़ियों को बेहतर संसाधन और सुविधाएं मिलें तो वे राष्ट्रीय स्तर पर भी बिलासपुर और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन कर सकते हैं। खिलाड़ियों को दी गई बधाई इस उपलब्धि पर जिला वूशु संघ के जनरल सेक्रेटरी सुबोध यादव, अध्यक्ष अंकुश शुक्ला, व्यवस्थापक जयप्रकाश टंडन और समीर यादव ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।प्रतियोगिता में बालक वर्ग में समीर यादव, आयुष सिंह, मानव सिंह राजपूत, शिवांश सलूजा, रुद्रांश त्रिवेदी, रमन लिलहौरे, रुद्र कुमार और अयनांश सन्नद सहित अन्य खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। वहीं बालिका वर्ग में अदिति कश्यप, शिखा यादव, अवंतिका यादव, आध्या सिंह ठाकुर, ऋषिका वर्मा और अध्या देशमुख ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले को गौरवान्वित किया।

शाहबाद डेरी और मॉडल टाउन में गहराया जलसंकट, लोग पानी खरीदने को मजबूर

नई दिल्ली 30 मई (संजय बंसल) शाहबाद डेरी इलाके में जलसंकट गहराने के साथ ही लोगों की परेशानी बढ़ गई है। नल सूखे हैं और बार-बार मनुहार-गुहार के बाद भी टैंकर नहीं आता है। एक टैंकर आता है तो पानी लेने वालों की इतनी भीड़ आ जाती है, लोगों को बमुश्किल एक बाल्टी मिल पाती है। पेयजल न मिलने की वजह बड़ी संख्या में लोग पानी खरीदने को मजबूरन है। शाहबाद डेरी के कई इलाकों में सप्ताहभर से पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है। क्षेत्र में पानी की समस्या के कारण 50 हजार से अधिक लोग प्रभावित है। सप्ताहभर से पानी की समस्या के कारण लोगों का रोजमर्रा का जीवन प्रभावित हो रहा है। कई जगहों पर टैंकर अवश्य पहुंचते है। इन टैंकरों पर भी पानी का लिए मारामारी देखने को मिलती है। लोगों को पर्याप्त पानी न मिलने के कारण महिलाएं घरेलू कामकाज नहीं कर पा रही। जबकि पीने के लिए प्लांट से पानी खरीदकर लाना पड़ रहा है। आगामी दिनों में गर्मी बढ़ने के साथ ही क्षेत्र में पानी की समस्या बढ़ने से लोगों की मुसीबत और बढ़ सकती है।

राजनाथ सिंह...

पृष्ठ तीन का शेष ..

रुपये तक पहुंच जाएगा। सिंह ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण करने के बाद अपने संबोधन में रक्षा क्षेत्र में भारत की तीव्र प्रगति और रक्षा निर्यात में हुई बढ़ोतरी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले भारत में छोटे-मोटे हथियारों के कलपुर्जों का निर्यात केवल एक हजार करोड़ रुपये का था लेकिन अब भारत का रक्षा क्षेत्र पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सिंह ने कहा, पिछले 10 वर्षों में हम सभी ने मिलकर जो मेहनत की है उसका परिणाम आज हमें मिल रहा है। वर्ष 2014 में हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन मात्र 46 हजार करोड़ रुपये था, लेकिन

आज वही बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ से अधिक हो चुका है और मैं जानकारी देना चाहता हूं कि जून समाप्त होते-होते आपको यह जानकारी मिलेगी कि यह डेढ़ लाख करोड़ नहीं, बल्कि पौने दो लाख करोड़ रुपये हो गया है।

आंधी बारिश से तापमान गिरा...

पृष्ठ तीन का शेष ... लगातार बढ़ते तापमान के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा था। लेकिन बारिश होने के बाद मौसम सुहावना हो गया और लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली। बाजारों, पार्कों और सार्वजनिक स्थानों पर लोगों ने बारिश का आनंद लिया। मौसम विभाग ने पहले ही यमुनानगर सहित आसपास के क्षेत्रों में बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई थी। विभाग की भविष्यवाणी एक बार फिर सटीक साबित हुई।वहीं मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ और स्थानीय मौसमी गतिविधियों के कारण क्षेत्र में मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। गौरतलब है कि बीते रविवार को भी जिले में बारिश हुई थी, जिसके बाद तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी। एक बार फिर हुई बारिश ने लोगों को तपती गर्मी से राहत दी है। यदि आने वाले दिनों में इसी तरह मौसम बना रहता है तो तापमान में और कमी देखने को मिल सकती है।

पंजाब-पिछले कई दिनों से राहों में बहुत ज्यादा गर्मी पड़ रही थी। जहां पारा 45 डिग्री से ऊपर चला गया था लेकिन आज सुबह भारी बारिश व ओले गिरने से मौसम बदल गया जिससे राहों शहर शिमला बन गया। जहां लोगों को गर्मी से काफी राहत महसूस हुई। तेज अंधेरी के कारण कई फलों व फूलों के साथ ही बड़े-बड़े पेड़ टूट गए और तेज बिजली कड़की व बादलों की गरज के साथ तेज बारिश भी देखी गई।

अजनाला में बदला मौसम का मिजाज, झमाझम बारिश और ओलों से लोगों को मिली राहत-पंजाब के कई जिलों में पिछले कई दिनों से लगातार पड़ रही तेज गर्मी और लू से राहत मिलने लगी है। अमृतसर के अजनाला इलाके में आज सुबह से ही मौसम ने अचानक करवट ली, जहां तेज बारिश के साथ ओले भी गिरे। मौसम में अचानक हुए बदलाव से लोगों को गर्मी से बड़ी राहत महसूस हुई। पिछले कई दिनों से पड़ रही भयानक गर्मी से लोग परेशान थे, लेकिन सुबह हुई बारिश से तापमान में गिरावट आई और मौसम सुहावना हो गया। भारी बारिश से जानवरों और पक्षियों को भी इस भयानक गर्मी से काफी राहत मिली है। बढ़ते तापमान की वजह से जानवरों और पक्षियों पर भी असर पड़ा, लेकिन बारिश से मौसम ठंडा होने से उन्हें भी आराम महसूस हुआ।

सीएम सैनी ...

नहीं थे, वे करोड़ों वंचितों के सपनों के निर्माता भी थे। उन्होंने हमें संविधान में हर व्यक्ति को समान अधिकार, समान अवसर और सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया। उनका दिया मंत्र शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो आज भी किसी भी समाज के विकास का मार्गदर्शक सिद्धांत है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसी मंत्र को आत्मसात करके सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का विजन राष्ट्र को दिया है।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने गरीब के घर तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया। आज गरीब का बेटा भी डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासनिक अधिकारी बन रहे है। यह परिवर्तन केवल नीतियों से नहीं, बल्कि नीयत से आया है।

संक्षिप्त समाचार

करोड़ों की कोठी में अकेलेपन से हार गईं दो जिंदगियां

नई दिल्ली 30 मई (निस) राजधानी की भीड़, चमक और भागती जिंदगी के बीच राजिंदर नगर के एक पुराने घर में दो बुजुर्ग महिलाएं चुपचाप जिंदगी से हार गईं। आसपास करोड़ों के अपार्टमेंट्स खड़े थे, सड़क पर गाड़ियों का शोर था, लोग अपने-अपने काम में व्यस्त थे लेकिन उस घर के भीतर मौत आई और दोनों को लेकर चली गई लेकिन किसी को भनक तक नहीं लगी। घर की सफाई करने जब कामवाली पहुंची तो तेज बदबू से अनहोनी का अहसास हुआ। कमरे में 80 वर्षीय सरोज और उनकी भाभी चंद्रकांता मृत मिलीं। बुजुर्ग ननद-भाभी की मौत दो जिंदगियों का अंत नहीं बल्कि महानगरों में बढ़ती उस खामोशी की कहानी है, जहां लोग पास रहकर भी एक-दूसरे से दूर हो गए हैं।

दिल्ली के कूलिंग केंद्रों में राहत, लेकिन चोरी की बढ़ती वारदातें बनी चिंता का विषय

नई दिल्ली 30 मई (निस) भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप से आम लोगों को राहत देने के लिए दिल्ली सरकार द्वारा प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर विशेष कूलिंग केंद्र स्थापित किए गए हैं। ताकि, वहां से गुजर रहे राहगीर, श्रमिक, पर्यटक, आटो चालक समेत अन्य इस झुलसाती गर्मी में कुछ वक्त राहत पा सके। ऐसे छायादार केंद्रों में बैठने के लिए कूलर, पंखे, पीने का पानी की व्यवस्था की गई है। साथ ही ओआरएस, गमछा और टोपी भी बांटा जा रहा है। इससे लोगों को बड़ी राहत मिल रही है, लेकिन साथ ही यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा तथा चोरी की घटनाएं चिंता भी पैदा कर रही है। मसलन, जामा मस्जिद के मेट्रो गेट नंबर 4 के बाहर लोगों को तपिश से बचाने के लिए कूलिंग केंद्र में 10 बड़े कूलर और 10 पंखे लगाए गए हैं, साथ ही ठंडे पीने के पानी के लिए एक वाटर कूलर भी लगाया गया है। यहां से आवागमन करने वाले स्थानीय दुकानदार, राहगीर और दूर- दराज से आने वाले यात्री व राहगीर इस केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ ले सकें। लेकिन, पिछले कुछ दिनों से यह राहत यात्रियों और लोगों के लिए चिंता का सबब बनती जा रही है। दरअसल, इस कूलिंग जोन में समाज विरोधी और अराजक तत्वों की सक्रियता अचानक बेहद बढ़ गई है।

मलबे के ढेर में दबीं दिल्ली की सड़कें

नई दिल्ली 30 मई (निस) यमुनापार के गाजीपुर और हसनपुर डिपो क्षेत्र में सड़क किनारे फैला मलबा लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। गाजीपुर स्थित सीएनजी स्टेशन के पास और हसनपुर डिपो के आसपास सड़क पर पड़े निर्माण मलबे और गाद के कारण राहगीरों व वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर सड़क संकरी हो गई है, जिससे दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नालों की सफाई और निर्माण कार्यों के बाद निकाला गया मलबा कई दिनों तक सड़क किनारे छोड़ दिया जाता है। इसके अलावा रात के समय कुछ लोग चोरी-छिपे निर्माण मलबा भी यहां डाल जाते हैं।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

दिल्ली में भीषण गर्मी से मिली राहत, लेकिन सोमवार से फिर गर्मी के संकेत

नई दिल्ली 30 मई (संजय बंसल) दिल्ली वासियों ने दिन भर भीषण गर्मी और तेज धूप का सामना किया। लेकिन शाम को काले बादलों व तेज हवाओं के साथ हुई हल्की वर्षा से थोड़ी राहत मिली। तापमान में भी तीन से पांच डिग्री तक की गिरावट देखने को मिली। कहीं कहीं यह गिरावट ज्यादा भी रही। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले तीन दिन वर्षा का यह दौर जारी रह सकता है। इससे तापमान भी काफी नीचे आ जाएंगे। शुक्रवार के लिए आरेंज जबकि शनिवार-रविवार के लिए यलो अलर्ट भी जारी किया गया है। सुबह ही सूरज निकल गया था और दिन चढ़ने के साथ साथ धूप तीखी होती गई। इस दौरान 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली गर्म हवाओं ने भी राजधानी वासियों का हाल बेहाल किए रखा। शाम छह बजे के बाद मौसम में थोड़ा बदलाव नजर आया। काले बादल छाए गए और तेज हवा के साथ विभिन्न इलाकों में हल्की वर्षा दर्ज की गई। वर्षा रात साढ़े आठ बजे तक 3.3 मिमी दर्ज की गई। हवा की रफ्तार रात आठ बजे पालम में सर्वाधिक 60 किमी प्रति घंटे जबकि भारत मंडपम में शाम सात बजे 48 किमी प्रति घंटा तक देखने को मिली। इसके अलावा नारायणा, पीतमपुरा में यह 35 किमी जबकि जाफरपुर में 37 किमी प्रति घंटा तक दर्ज की गई। पालम में अधिकतम तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले 24 घंटों में 4.3 डिग्री कम है। लोधी रोड पर अधिकतम तापमान 39.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बुधवार की तुलना में 5.3 डिग्री कम है। रिज में अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले दिन की तुलना में 5.4 डिग्री कम है। अयानगर में अधिकतम तापमान 40.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो बुधवार की तुलना में 5.3 डिग्री कम है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि शुक्रवार को सामान्यतया बादल छाए रहेंगे। गर्जन वाले बादल बनने, बिजली चमकने और 70 से 80 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार वाली तेज हवाओं के साथ वर्षा होने का भी पूर्वानुमान है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 36 और 24 डिग्री रह सकता है। शनिवार और रविवार को भी ऐसा ही मौसम बने रहने का पूर्वानुमान है। स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष (मौसम विज्ञान एवं जलवायु परिवर्तन) महेश पलावत ने बताया कि मानसून पूर्व वर्षा का यह दौर दिल्ली में मई की शुरुआत और अप्रैल में हुई मानसून वर्षा की तुलना में अधिक तीव्र होने की संभावना है, जिससे पूरे शहर में व्यापक वर्षा होगी।

इबोला संकट के बीच भारत ने कांगो भेजी दवाएं और चिकित्सा उपकरण

नई दिल्ली 30 मई (निस) भारत ने एक बार फिर वैश्विक स्तर पर दुनिया की फार्मेसी होने के अपने कर्तव्य को पूरी निष्ठा से निभाते हुए मानवता की एक बड़ी मिसाल पेश की है। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इन दिनों तेजी से फैल रहे बुंडिबुग्यो इबोला वायरस के प्रकोप को देखते हुए भारत सरकार और देश की जनता की ओर से भेजी गई आपातकालीन दवाओं और अत्याधुनिक चिकित्सा उपकरणों की एक बहुत बड़ी खेप आखिरकार अफ्रीका पहुंच गई है। अफ्रीका महाद्वीप पर स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली शीर्ष संस्था अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (अफ्रीका सीडीसी) ने आधिकारिक तौर पर भारत की इस जीवन रक्षक मानवीय सहायता का खुले दिल से स्वागत किया है और संकट की इस घड़ी में त्वरित मदद के लिए भारत सरकार के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है।

इस बड़ी चिकित्सा खेप को अफ्रीका सीडीसी के पूर्वी अफ्रीका क्षेत्रीय सहयोग केंद्र ने युगांडा में भारतीय राजनयिकों की गरिमामयी उपस्थिति में प्राप्त किया। इस आधिकारिक आपूर्ति को सौंपने के दौरान दोनों पक्षों के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने इस गंभीर वैश्विक संकट के समय भारत और अफ्रीका के बीच ऐतिहासिक और मजबूत रिश्तों को और अधिक प्रगाढ़ करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता दोहराई। भारत द्वारा भेजी गई इस आपातकालीन मदद का मुख्य उद्देश्य पूर्वी डीआरसी के सबसे ज्यादा प्रभावित और दूरदराज के संवेदनशील इलाकों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को तुरंत मजबूत करना है ताकि महामारी को आगे बढ़ने से समय रहते रोका जा सके।

इस महत्वपूर्ण मेडिकल कंसाइनमेंट में कई तरह की जीवन रक्षक सामग्रियां शामिल हैं, जो इबोला से निपटने में अग्रिम पंक्ति के काम आएंगी। इसमें वायरस की तुरंत और सटीक पहचान करने के लिए एसेंशियल डायग्नोस्टिक्स के तहत अत्याधुनिक टेस्टिंग किट्स भेजी गई हैं, ताकि संक्रमित मरीजों को समय रहते आइसोलेट करके उनका इलाज शुरू किया जा सके। इसके साथ ही इबोला पीड़ितों के उपचार और उनकी शारीरिक स्थिति को स्थिर बनाए रखने के लिए बेहद जरूरी थेरेप्यूटिक्स और जीवन रक्षक दवाएं भी इस खेप का हिस्सा हैं। स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण के तहत पीपीई किट्स, मास्क, ग्लव्स और सैनिटाइजेशन सामग्री भेजी गई है, जबकि गंभीर रूप से बीमार मरीजों की देखभाल के लिए केस मैनेजमेंट सपोर्ट से जुड़े उपकरण प्रदान किए गए हैं।अफ्रीका सीडीसी ने सोशल मीडिया पर इस सहयोग की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि भारत की यह उदार सहायता पूर्वी डीआरसी में जारी इबोला रिस्पांस को एक नई और अभूतपूर्व ताकत देगी। बुंडिबुग्यो इबोला वायरस एक अत्यधिक संक्रामक और जानलेवा बीमारी है, जिसके प्रसार को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की बेहद आवश्यकता थी और भारत ने सही समय पर कदम उठाकर दवाओं की कमी को दूर कर दिया है।